राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 96 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 17 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

केमिकल फैक्ट्री में आग से 7 लोग जिंदा जले

भिवाड़ी। राजस्थान के भिवाड़ी में आज सुबह एक बहुत दर्दनाक घटना घट गई, जहां भिवाड़ी की एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से 7 लोग जिंदा जल गए। जानकारी के मुताबिक मृतकों के शवों को निकाल लिया गया है। वहीं बताया जा रहा है कि कुछ मजदूर अभी भी फैक्टरी में फंसे हुए हैं। कुछ चश्मदीदों के मुताबिक घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। हादसा खुशखेड़ा कस्रौली इंडस्ट्रियल एरिया में हुआ है। इसी दौरान पुलिस की एक टीम गश्त कर रही थी, तभी टीम को घटना का पता चला और रेस्क्यू शुरू किया गया। आग की लपटें देखकर कुछ मजदूर सुरक्षित बाहर निकल आए। खुशखेड़ा फायर स्टेशन और भिवाड़ी रीको स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मौके पर तिजारा डीएसपी शिवराज सिंह मौजूद हैं और उन्होंने जांच शुरू कर दी है। भिवाड़ी एसपी और एडीएम भी जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचने वाले हैं।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर दर्ज हो एफआईआर : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले की निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण लेना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। सीएम योगी ने शनिवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए थे, जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है।

इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझ कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधिसम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों पर सीएम योगी ने अपना स्नेह बरसाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारा, उन्हें चॉकलेट दी और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले।

मोदी सरकार में डिजिटल इंडिया गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा : शाह

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर में देश का फर्स्ट सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी)-बेस्ड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) लॉन्च करते हुए कहा कि दुनिया के कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन में आधे से ज्यादा हिस्सा भारत का है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि डिजिटल इंडिया शब्द का मैं जब प्रयोग करता हूं और 11 साल पहले मुड़कर देखते हैं तो कल्पना नहीं कर सकते कि 60 करोड़ लोग ऐसे थे, जिनके परिवार में बैंक अकाउंट नहीं था। आज यही 11 साल बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया के आधे डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हो रहे हैं। मतलब दुनिया में 2 डिजिटल ट्रांजेक्शन होते हैं तो एक भारत में होता है। आज वही डिजिटल इंडिया गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से डीबीटी ने देश में 15 लाख करोड़ से ज्यादा घपले-घोटालों को समाप्त कर दिया, उसी तरह से खाद्य आपूर्ति मंत्रालय का यह कदम ट्रांसपेरेंट डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम सुनिश्चित करेगा और पीएम मोदी के मंत्र मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस को जमीन पर उतारेगा।

नगरीय निकायों में ऐतिहासिक जनादेश का एक वर्ष

सुशासन, पारदर्शिता और विकास पर जनता की मुहर - मुख्यमंत्री साय

रायगढ़ में महापौर श्री जीवर्धन चौहान से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने किया जनादेश का स्मरण

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पिछले वर्ष आज ही के दिन राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी 10 नगर निगमों में प्राप्त ऐतिहासिक जनादेश जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। यह परिणाम सुशासन, पारदर्शिता और विकास के प्रति जनता की स्पष्ट आस्था की अभिव्यक्ति है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज रायगढ़ प्रवास के दौरान महापौर श्री जीवर्धन चौहान से भेंट कर एक वर्ष पूर्व इसी तिथि को मिले जनादेश को स्मरण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक साधारण चाय विक्रेता से महापौर तक की श्री चौहान की यात्रा लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति और जनता के आशीर्वाद का जीवंत उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार में नगरीय विकास के क्षेत्र में आवास, स्वच्छता, जल आपूर्ति, सीवरेज, हरित सार्वजनिक परिवहन, डिजिटल सेवाओं तथा आधारभूत अधोसंरचना के विस्तार में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत बड़ी संख्या में आवास पूर्ण किए गए हैं और नए लक्ष्यों पर तेजी से कार्य जारी है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग तथा राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों के माध्यम से प्रदेश के नगरीय निकायों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मिशन अमृत 2.0 के जरिए जल प्रदाय एवं सीवेज परियोजनाओं को नई गति मिली है। वहीं, पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से शहरों में आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया गया है। 15वें वित्त आयोग तथा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के माध्यम से नगरीय अधोसंरचना को सुदृढ़ किया गया है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए नालंदा परिसर जैसे आधुनिक अध्ययन केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है। साथ ही मोर संगवारी सेवा और विभिन्न ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों को घर बैठे सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन समन्वित प्रयासों से नगरीय क्षेत्रों में सुशासन, पारदर्शिता और जनसुविधाओं का दायरा निरंतर सशक्त हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सभी महापौरों एवं नगरीय निकाय प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार नगरीय निकाय चुनावों में किए गए प्रत्येक वादे को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतार रही है। स्वच्छता, पेयजल, सड़कों, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार में निरंतर और ठोस प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में सुशासन की स्थापना, आधुनिक सुविधाओं का विस्तार तथा आम नागरिकों को सरल, सुलभ और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार ने शहरी विकास को जन-विश्वास और जन-भागीदारी से जोड़ते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया है।

ये मामले सेटल करने का प्लेग्राउंड नहीं-सुको

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ याचिका पर सुनवाई नहीं करेगा सुप्रीमकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कथित भड़काऊ टिप्पणी मामले में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि मामलों को सेटल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट कोई 'प्लेग्राउंड' (खेल का मैदान) नहीं है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को इस मामले में संबंधित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी है। इसके साथ ही, अदालत ने गुवाहाटी हाईकोर्ट को निर्देश दिए हैं कि वह इस संवेदनशील मामले में जल्द सुनवाई करे।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को देश की न्यायिक प्रणाली पर पूरा भरोसा रखना चाहिए। जब संविधान के तहत हाईकोर्ट के पास आपकी याचिका पर उचित आदेश जारी करने की शक्तियां मौजूद हैं, तो पहले वहां जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि मुख्यमंत्री एक संवैधानिक पद पर बैठे हैं और खुलेआम अपनी शपथ का उल्लंघन कर रहे हैं। सिंघवी ने तर्क दिया कि ये भड़काऊ बयान किसी एक जगह नहीं, बल्कि असम, छत्तीसगढ़ और झारखंड सहित कई राज्यों में दिए गए हैं। इस पर अदालत ने कहा कि हम केवल हाईकोर्ट से यह गुजारिश कर सकते हैं कि यह एक महत्वपूर्ण मामला है और वे इसकी मेरिट (योग्यता) के आधार पर सुनवाई करें।

एफडीआई : भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के लिए वीडीए ढांचा क्यों जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य केवल सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने तक सीमित नहीं है। यह विकास की संरचना को बदलने की दिशा में उठाया गया कदम है। आर्थिक विस्तार का अगला चरण पारंपरिक क्षेत्रों में मामूली वृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से तय होगा कि भारत तकनीक-आधारित वित्तीय ढांचे को अपने अधिकार क्षेत्र में कितना स्थापित कर पाता है। इस बदलाव में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्रष्ठड्ड) की भूमिका निर्णायक है। एफडीआई केवल पूंजी नहीं लाता, बल्कि तकनीकी विशेषज्ञता, संस्थागत अनुशासन, वैश्विक नेटवर्क और दीर्घकालिक वित्तीय समर्थन भी साथ लाता है, जिससे उभरते क्षेत्रों को परिपक्व होने का अवसर मिलता है। यदि भारत तकनीक-प्रधान वित्त और डिजिटल प्रणालियों में प्रतिस्पर्धा करना चाहता है, तो उसे ऐसे हालात बनाने होंगे जिनमें वैश्विक कंपनियां यहां केवल प्रतिभा का उपयोग न करें, बल्कि ठोस परिचालन ढांचा स्थापित करें।

वर्तमान स्थिति में एक स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। भारत में लगभग 9.3 करोड़ क्रिप्टो उपयोगकर्ता हैं और ब्लॉकचेन डेवलपर्स की मजबूत क्षमता मौजूद है। इसके बावजूद कई वैश्विक डिजिटल एसेट कंपनियां अपना पंजीकरण डेलावेयर, सिंगापुर या केमैन आइलैंड्स जैसे क्षेत्रों में कराती हैं। भले ही उनकी इंजीनियरिंग टीमें भारत में कार्यरत हों, लेकिन फंडिंग और स्वामित्व संरचना अक्सर विदेश में रहती है और भारतीय नियामकीय दायरे से बाहर होती है। इसका मुख्य कारण नियामकीय अस्पष्टता है। वर्चुअल डिजिटल एसेट (ड्डष्ठ) को अब तक भारत की वित्तीय प्रणाली में स्पष्ट और व्यापक नियामकीय पहचान नहीं मिल सकी है। इस अस्पष्टता के आर्थिक परिणाम भी सामने आते हैं। वित्त वर्ष 2024ङ्क25 में भारत को 81.04 अरब डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ, जिसमें लगभग 16 प्रतिशत कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में आया। हालांकि इस श्रेणी में ब्लॉकचेन से जुड़ी गतिविधियां शामिल हैं, लेकिन यह संकेत नहीं देता कि भारत वैश्विक डिजिटल एसेट ढांचे के लिए पसंदीदा केंद्र बन रहा है। अधिकांश निवेश वेंचर कैपिटल के रूप में भारतीय स्टार्टअप्स में आता है, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा यहां लाइसेंस प्राप्त सहायक कंपनियां स्थापित करने के रूप में।

फिर सलाखों के पीछे पहुंचा डेरा प्रमुख, 40 दिन की पैरोल काटकर सुनारियां जेल लौटा राम रहीम

रोहतक (एजेंसी)। साध्वी यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में सजा काट रहे गुरमीत सिंह की 40 दिन की पैरोल अवधि समाप्त हो गई है। निर्धारित समय पूरा होने के बाद वह रविवार शाम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुनारियां जेल पहुंच गया।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह को वर्ष 2017 में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए 20-20 वर्ष की सजा सुनाई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में भी अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा दी थी।

वह तब से रोहतक की सुनारियां जेल में बंद है। पैरोल के दौरान वह निर्धारित शर्तों के तहत सिरसा स्थित डेरे में रहा। पैरोल अवधि पूरी होने पर उसे दोबारा जेल में आत्मसमर्पण करना था, जिसके तहत वह तय समय पर जेल पहुंचा।

जेल प्रशासन के अनुसार, पैरोल समाप्त होने के बाद उसकी विधिवत एंट्री की गई और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उसे बैरक में भेज दिया गया। गुरमीत सिंह को पूर्व में भी अलग-अलग अवधियों के लिए फरलो और पैरोल मिल चुकी है। इसे लेकर समय-समय पर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा होती रही है।

अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका, 25 साल की सजा पूरी होने की दलील खारिज

अभी जेल में ही रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1993 के खौफनाक मुंबई सीरियल बम धमाकों के दोषी और अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम को देश की सर्वोच्च अदालत से बहुत बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सलेम की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें उसने अपनी रिहाई की गुहार लगाई थी। यह अहम फैसला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया है। अदालत के इस सख्त रुख के बाद यह साफ हो गया है कि इस खूंखार गैंगस्टर को अभी जेल की सलाखों के पीछे ही रहना होगा।

वकील की दलील और सुप्रीम कोर्ट का तीखा सवाल

सुनवाई के दौरान अबू सलेम के वकील ने अदालत में यह दलील दी कि उनके मुवक्किल ने जेल में अपनी 25 साल की सजा पूरी कर ली है, इसलिए अब उसे कानूनी तौर पर रिहा कर दिया जाना चाहिए। वकील ने अदालत को बताया कि सलेम को 11 नवंबर 2005 को हिरासत में लिया गया था और इस लिहाज से उसकी सजा की अवधि पूरी हो चुकी है। हालांकि, इस दलील पर सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत कड़ा सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या बचाव पक्ष छूट (रिमिशन) के समय को जोड़कर 25 साल की यह गणना कर रहा है। अदालत ने इन तर्कों को नाकाफी मानते हुए रिहाई की याचिका को नामंजूर कर दिया।

पुर्तगाल के साथ भारत का वह खास प्रत्यर्पण समझौता

अबू सलेम का मामला अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और प्रत्यर्पण संधियों के लिहाज से भी काफी पेचीदा रहा है। साल 2002 में फर्जी पासपोर्ट के एक मामले में पुर्तगाल में सलेम की गिरफ्तारी हुई थी, जिसके बाद भारत ने उसके प्रत्यर्पण की मजबूती से मांग रखी थी। लंबी कानूनी खींचतान के बाद 11 नवंबर 2005 को पुर्तगाल ने सलेम को भारत के हवाले किया था। हालांकि, पुर्तगाल ने प्रत्यर्पण से पहले एक कड़ी शर्त रखी थी कि भारत अबू सलेम को न तो फांसी की सजा देगा और न ही उसे 25 साल से ज्यादा समय तक कैद में रखेगा। चूंकि पुर्तगाल के कानूनों में मौत की सजा का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए भारत सरकार के इस आधिकारिक आश्वासन के बाद ही फरवरी 2004 में पुर्तगाल की अदालत ने उसके प्रत्यर्पण को हरी झंडी दिखाई थी।

1993 के मुंबई बम धमाकों का वह काला दिन

अबू सलेम उसी 1993 के मुंबई बम धमाकों का दोषी है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। 12 मार्च 1993 को दोपहर लगभग 1ः30 बजे से 3ः40 बजे के बीच मायानगरी मुंबई में एक के बाद एक 12 से 13 जगहों पर आरडीएक्स से भरे कार बम विस्फोट हुए थे। यह भारत के इतिहास का सबसे भयानक और सुनियोजित आतंकवादी हमला था। आतंकियों ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और एयर इंडिया बिल्डिंग जैसी शहर की सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण इमारतों को अपना निशाना बनाया था।,

जब तक शादी नहीं, तब तक लड़का-लड़की अजनबी; किसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए

शादी से पहले फिजिकल रिलेशन समझ से परे- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रेप के आरोपों से जुड़े एक मामले में शादी से पहले फिजिकल रिलेशनशिप को लेकर हैरानी जताई। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि हम यह नहीं समझ पाते कि एक लड़का और लड़की शादी से पहले शारीरिक संबंध कैसे बना सकते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- हो सकता है हम पुराने ख्यालों के हों लेकिन जब तक शादी नहीं हो जाती तब तक लड़का और लड़की अजनबी होते हैं। उन्हें बहुत सावधान रहना चाहिए। किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना के साथ जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिस पर एक महिला से शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है। वहीं, व्यक्ति पर पहले से शादीशुदा होने और बाद में दूसरी महिला से शादी करने का आरोप भी है।

सरकारी वकील के मुताबिक, लगभग 30 साल की युवती की 2022 में एक मैट्रिमोनियल साइट पर शख्स से मुलाकात हुई थी। आरोप है कि शख्स ने युवती से शादी का वादा करके दिल्ली और बाद में दुबई में कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

युवती ने दावा किया है कि शख्स के कहने पर वह दुबई गई थी। वहां उसकी सहमति के बिना आरोपी ने अश्लील वीडियो रिकॉर्ड किए, और विरोध करने पर उन्हें वायरल करने की धमकी दी। शिकायतकर्ता को बाद में पता चला कि शख्स ने 19 जनवरी, 2024 को पंजाब में दूसरी शादी कर ली थी। इस मामले में निचली अदालत और दिल्ली हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि आरोपी की तरफ से किया गया शादी का वादा शुरू से ही झूठा था, क्योंकि वह पहले से ही शादीशुदा था। हाईकोर्ट के आदेश से असंतुष्ट होकर आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

जस्टिस बोली- युवती शादी से पहले दुबई क्यों गई

जस्टिस नागरत्ना ने सवाल किया कि युवती शख्स से मिलने दुबई क्यों गई। जब सरकारी वकील ने बताया कि दोनों शादी करने की प्लानिंग कर रहे थे, तो जस्टिस ने कहा- अगर महिला शादी को लेकर इतनी गंभीर थी, तो उसे शादी से पहले दुबई नहीं जाना चाहिए था।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा- यह ऐसा मामला नहीं है जिनमें मुकदमा चलाया जाए और सजा दी जाए। क्योंकि संबंध आपसी सहमति से बने थे। कोर्ट ने आरोपी के वकील से युवती को मुआवजा देकर मामले को खत्म करने का निर्देश दिया। बेंच ने युवती के वकील को भी समझौते की संभावना तलाशने के लिए कहा और दोनों पक्षों के विचार जानने के लिए मामले की सुनवाई बुधवार को स्थगित कर दी।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर पुनर्विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट आज सबरीमाला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को एंट्री देने वाले फैसले के रिव्यू की मांग करने वाली 67 पिटीशन पर विचार करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच बराबरी, आस्था की आजादी और धार्मिक रीति-रिवाजों की जरूरत से जुड़े सवालों की जांच करेगी। केरल में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले सरकार को भी सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री पर अपने स्टैंड को क्लीयर करना होगा। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सुनवाई के लिए नौ जजों की नई बेंच बनाने के लिए निर्देश जारी कर सकता है। 2019 में बनी पिछली नौ जजों की बेंच अब खत्म हो चुकी है, क्योंकि जस्टिस सूर्यकांत को छोड़कर बाकी सभी मेंबर रिटायर हो चुके हैं।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा : 2026

12वीं के छात्रों के लिए बड़ा अलर्ट! नंबर सुधारने के नियम में हुआ अहम बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18 फरवरी से शुरू होने जा रही केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं से ठीक पहले एक बड़ा फैसला सामने आया है। बोर्ड ने 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री (इंप्रूवमेंट) परीक्षा के नियमों में अहम बदलाव किया है। इस नए नियम के लागू होने से देशभर के लाखों परीक्षार्थी सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। अब 12वीं के छात्रों को अपने अंक सुधारने के लिए पहले जैसी सहूलियत नहीं मिलेगी।

तुरंत सिर्फ एक विषय में नंबर सुधारने का मिलेगा मौका

सीबीएसई की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब 12वीं बोर्ड के परीक्षार्थी रिजल्ट आने के तुरंत बाद केवल एक ही विषय में सप्लीमेंट्री या इंप्रूवमेंट परीक्षा दे सकेंगे। इससे पहले छात्रों को रिजल्ट आने के बाद एक से अधिक विषयों में अंक सुधारने के लिए परीक्षा देने की छूट मिलती थी, जो मुख्य परिणाम घोषित होने के लगभग दो महीने के भीतर आयोजित की जाती थी। लेकिन अब इस नियम को सख्त करते हुए तुरंत अंक सुधारने की यह सुविधा केवल एक विषय तक सीमित कर दी गई है। अगर कोई छात्र एक से अधिक विषयों में अपने नंबर सुधारना चाहता है, तो उसे अब लंबा इंतजार करना होगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एक से ज्यादा विषयों में इंप्रूवमेंट चाहने वाले छात्रों को अगले साल आयोजित होने वाली मुख्य (मेन) बोर्ड परीक्षा में बैठना होगा। इसका सीधा मतलब यह है कि जो छात्र दो या उससे अधिक विषयों में अपने अंक बढ़ाना चाहते हैं, उन्हें पहले की तरह तुरंत सप्लीमेंट्री परीक्षा देने का विकल्प नहीं मिलेगा। आगामी परीक्षाओं के नतीजों और सप्लीमेंट्री परीक्षाओं को लेकर भी बोर्ड ने टेंटेटिव शेड्यूल साझा कर दिया है। बोर्ड के मुताबिक, मई 2026 में 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम जारी किए जाएंगे। रिजल्ट घोषित होने के बाद सप्लीमेंट्री परीक्षा के लिए विस्तृत सर्कुलर जारी कर आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

खबर-खास

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज जिला चिकित्सालय दुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय ओपीडी में कर्मचारी और डॉक्टर अनुपस्थित पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन को ओपीडी प्रारंभ होने के पूर्व कर्मचारी एवं डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान कलेक्टर ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं आभा आईडी की जानकारी ली। शिकायत के आधार पर ई.सी.जी. मशीन संचालन हेतु ऑपरेटर की ड्यूटी, नाम एवं मोबाइल नंबर एवं समय उल्लेखित करने निर्देशित किये। कलेक्टर ने सिकलसेल प्रबंधन कक्ष में सिकलिंग पहचान की जानकारी ली। उन्होंने चिन्हांकित लोगों का ऑनलाईन एंट्री कराने तथा पेशेंट के ओपीडी पर्ची में आभा आईडी अद्यतन करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जिला अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही भोजन व्यवस्था की जानकारी ली। सिविल सर्जन ने बताया कि अंकित महिला स्व. सहायता समूह द्वारा उक्त व्यवस्था संचालित की जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने यहां पर पेसेंट के लिए तैयार नाश्ता, दाल एवं भोजन का स्वाद चखा। उन्होंने समूह के सदस्यों को निर्धारित मेनू के आधार पर चिकित्सालय में भर्ती पेशेंट को समय पर नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। साथ ही स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बाते कहीं। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय के जन औषधि केंद्र में उपलब्ध दवाइयों और विभिन्न वार्डों का भी निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से रू-ब-रू चर्चा कर उपलब्ध चिकित्सा सुविधा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. अशिशान मिंज को चिकित्सालय में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और चिकित्सकों और कर्मचारियों की निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा अनुपस्थिति पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिये।

दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने परीक्षण शिविर का आयोजन

भिलाईनगर (समय दर्शन)। कलेक्टर दुर्ग द्वारा एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड के नियमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) योजनांतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण हेतु मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर आयोजन करने पत्र जारी किया गया है।

नगर पालिक निगम भिलाई परीक्षण शिविर दिनांक 19.02.2026 को सभागार कक्ष में समय प्रात: 10:00 बजे से आयोजित किया जायेगा। शिविर में नगर निगम भिलाई, नगर निगम रिसाली, नगर पंचायत उतई, नगर पंचायत पाटन, जनपद पंचायत पाटन एवं आस-पास के क्षेत्र शामिल रहेगें। परीक्षण शिविर में नोडल/सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जायेगा, जिनके अधिनस्थ कर्मचारी शिविर का सफल संचालन करेगें। इस योजना के पात्र हितग्राहियों के लिए आवश्यक दस्तावेज जो अनिवार्य होगा। (अ) जीवित दिव्यांग प्रमाण पत्र/यू.डी.आई.डी. कार्ड की छायाप्रति, (ब) आधार कार्ड की छायाप्रति, (स) दो रंगीन पासपोर्ट साईज फोटो (दिव्यांग दिखता हुआ), (द) आय प्रमाण पत्र (पार्षद/सरपंच द्वारा जारी) आदि के साथ उपस्थित होना है।

जलप्रदाय आंशिक रूप से रहेगी प्रभावित

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत नवनिर्मित केम्प-2 उच्च स्तरीय जलागार के राइजिंग पाईप लाईन से इंटर कनेक्शन का कार्य दिनांक 18 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे से प्रारंभ किया जायेगा, जिसमें 24 घंटे का समय लगने की संभावना है। जिसके कारण दिनांक 18 फरवरी 2026 को सुबह चंद्रा मौर्या, मदर टेरेसा नगर, वैशाली नगर, कोहका मंगल बाजार, हाउसिंग बोर्ड में जलप्रदाय आंशिक रूप से प्रभावित रहेगी। दिनांक 19 फरवरी 2026 को सायं तक सभी जगह पानी सप्लाई किया जायेगा। नगर निगम प्रशासन प्रभावित क्षेत्र के निवासियों से अपील करता है कि कृपया अपनी आवश्यकतानुसार जल का संचय पहले से कर लें ताकि असुविधा से बचा जा सके। संधारण कार्य का उद्देश्य भविष्य में जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। असुविधा के लिए हमें खेद है।

अनुज्ञप्ति लाईसेंस एवं सड़क बाधा पर 5000 रूपये की चालानी कार्यवाही

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बिना अनुज्ञप्ति लाईसेंस के व्यवसाय करने एवं सड़को पर अवैध रूप से सामान रखकर सड़क बाधा करने वालो पर चालानी कार्यवाही का अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्य में जोन-1 नेहरू नगर स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी एवं उनकी टीम द्वारा वार्ड क्रं. 17 आकाश गंगा के हिमालय काम्पलेक्स के पास प्रतिष्ठान में अनुज्ञप्ति लाईसेंस नहीं पाये जाने एवं अवैध रूप से सड़क पर सामान रखकर आवागमन बाधित करने वालो पर चालानी कार्यवाही करते हुए समझाइस दी गई है। फूल किड्स के पास अनुज्ञप्ति लाईसेंस नहीं पाये जाने पर 500 रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है।

रामदरबार चौक पर कांग्रेसजनों ने किया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भव्य स्वागत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले के एक दिवसीय प्रवास पर पहुँचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, पंजाब प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नगर के प्रमुख स्थल रामदरबार चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भूपेश बघेल छुरिया विकासखंड के ग्राम जैतगुंडरा स्थित बूढ़ादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम एवं सामाजिक भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान रामदरबार चौक पर कांग्रेस नेता अमित चंद्रवंशी एवं उनके साथियों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान श्री

बघेल ने उपस्थित कांग्रेसजनों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए जमीनी स्तर की समस्याओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर मौजूद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए भूपेश बघेल ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार प्रदेश में हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और जनता के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संभागीय प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिंटू प्रदेश महिला सचिव श्रीमती प्रज्ञा गुप्ता, अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव विशु आजमानी, भोला यादव, पंकज गुप्ता, संदीप जायसवाल, राहुल देवांगन, शैलेश रामटेके, सागर ताम्रकार, संजय साहू, शुभम कसार, तौसीफगोरी, हर्षिल हनी, अभि गुप्ता, अंशल श्रीवास्तव, विक्की साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने ध्वजारोहण किया एवं चैतन्य प्रभा दीदी , कामिनि बहन, संगीता बहन , देवकी बहन , साक्षी बहन और सभी भाई-बहनों के सानिध्य में निराकार परमपिता परमात्मा शिवबाबा का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया व रीटा दीदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया । चैतन्य प्रभा दीदी द्धारा सभी भाई बहनों को प्रतिज्ञा कराया गया 1 - साक्षी दृष्टा स्थिति में स्थित रह हर परिस्थिति में सदा अचल अडोल रहेंगे । 2- शुभ भावना और शुभकामना के मंत्र द्वारा हर आत्मा को संतुष्ट करते हुए सदा संतुष्ट रहेंगे । 3- मीठी बोल और मुस्कुराते हुए चेहरे द्वारा हर एक के साथ मधुरता संपन्न व्यवहार करेंगे । 4- सच्चे और साथ दिल से भोलानाथ शिव बाप को राजी कर चिंता और व्यर्थ चिंतन से मुक्त रहेंगे । 5-दृढ़ता और परिवर्तन शक्ति से हर कारण का निवारण करेंगे। समाधान स्वरूप बनेंगे। कार्यक्रम के प्रसाद सभी को भोग वितरित किया गया।

कलेक्टर ने की विभिन्न विभागों के योजनाओं की समीक्षा

पीएम सूर्यघर योजना में लक्ष्यानुरूप प्रगति लाने दिए निर्देश
योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही सुशासन का आधार कलेक्टर

मुंगेली (समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया। बैठक में उन्होंने विभागवार कार्यों की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही सुशासन का आधार है और प्रत्येक अधिकारी को जवाबदेही के साथ कार्य करना चाहिए।

बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि यह शासन की एक अत्यंत लाभकारी एवं महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को सौर ऊर्जा से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सीएसपीडीसीएल अंतर्गत योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने जिन जिलों में योजना के क्रियान्वयन में बेहतर प्रदर्शन हुआ है, उनका तुलनात्मक मूल्यांकन कर जिले की प्रगति के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति एवं रैंकिंग पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना, टेक होम राशन (टीएचआर) सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और हितग्राहियों तक समयबद्ध लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को योजनावार प्रगति पत्रक तैयार करने, उसका नियमित मूल्यांकन करने तथा कम प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय सहित अन्य विभागों की समीक्षा कर लक्षित प्रगति लाने निर्देशित किया। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भूत-पिशाच संग सजी बाबा भूतेश्वर नाथ की पालकी बोल बम के जयकारों से शिवमय हुआ गरियाबंद

गरियाबंद (समय दर्शन)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर इस वर्ष गरियाबंद नगर में अद्भुत आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला।चारों ओर हर-हर महादेव और बोल बम के गगनभेदी जयकारों से पूरा नगर शिवमय हो उठा।हजारों की संख्या में श्रद्धालु एक साथ बाबा भूतेश्वर नाथ की भव्य पालकी और भोले की बारात में शामिल हुए।भीड़ का उत्साह और श्रद्धा भगवान शिव और माँ पार्वती को भक्त काफी उत्साहित दिखे।

उज्जैन महाकाल की तर्ज पर बोल बम सेवा समिति गरियाबंद ने इस बार भी बाबा भूतेश्वर नाथ की पालकी के साथ भोले की बारात निकालने की परंपरा को और अधिक भव्य रूप दिया। मरौदा से प्रारंभ होकर पालकी पूरे गरियाबंद पालिका क्षेत्र का भ्रमण करती हुई नगरवासियों को दर्शन देने निकली। जिस-जिस वार्ड से पालकी गुजरी, श्रद्धालु कंधा लगाने और दर्शन करने उमड़ पड़े। जगह-जगह पुष्पवर्षा, आरती और स्वागत की भव्य व्यवस्था की गई थी।वही डीजे की भक्ति धुनों पर युवाओं की टोलियां भूत-पिशाच और शिवगणों के वेश में नजर आईं। भोले की सेना का जीवंत चित्रण करते हुए श्रद्धालुओं ने शिव बारात का ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया कि पूरा नगर भक्तिरस में डूब गया। डीजे की ताल पर झूमते श्रद्धालु, ढोल-नगाड़ों की थाप और जयकारों की गूंज से माहौल अलौकिक प्रतीत हो रहा था।बाबा भूतेश्वर नाथ पालकी में विराजमान होकर नगरवासियों को दर्शन देने पहुंचे। इस नई परंपरा ने लोगों के मन में विशेष उत्साह और श्रद्धा का संचार किया।आयोजन समिति के अनुसार यह तृतीय वर्ष है जब यह भव्य पालकी यात्रा नगर भ्रमण पर निकली, और हर वर्ष इसकी भव्यता और श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हो रही है।इस दौरान भूतेश्वर नाथ के दर्शन में पहुंचे सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस पीढ़ी में इतनी गहरी आस्था और समर्पण देख मन गद्गद हो गया।युवाओं में भोलेनाथ के प्रति जो श्रद्धा दिखी,वह समाज के लिए सकारात्मक संदेश है।पूरी बोल बम सेवा समिति और सभी युवाओं को इस भव्य आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने भी शिवालय पहुंचकर पालकी प्रस्थान से पूर्व दर्शन किए और आयोजन की सराहना की।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

भारी भीड़ को देखते हुए महादेव सेना द्वारा पालकी की सुरक्षा के लिए बाउंसर तैनात किए गए थे।चप्पे-चप्पे पर जिला पुलिस बल मौजूद रहा।थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव ने स्वयं कमान संभाली और पूरी व्यवस्था पर नजर रखी।श्रद्धालु पालकी को स्पर्श करने और आशीर्वाद लेने के लिए आतुर दिखाई दिए।

ध्वनि प्रदूषण पर कड़ा कदम, रात 10 से सुबह 6 बजे तक नहीं बजेगा लाउडस्पीकर

दुर्ग (समय दर्शन)। ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने आदेश जारी करते हुए सम्पूर्ण दुर्ग जिले में रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर 30 जून 2026 तक प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 14 फरवरी 2000 को अधिसूचित ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत जारी किया गया है। विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों के अध्ययन में व्यवधान रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। धार्मिक त्यौहार, विवाह, संस्कार, उत्सव एवं चुनाव प्रचार जैसे विशेष अवसरों पर संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनुमति ली जा सकेगी। अनुमति निम्न शर्तों के अधीन होगी-ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग धीमी आवाज में किया जाएगा और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन अनिवार्य होगा। निजी परिसर में ध्वनि स्तर निर्धारित परिवेशीय सीमा से 5 डीबी (ए) से अधिक नहीं होगा।

न्योता भोज को जनसमुदाय से जोड़ने की अपील-राठी

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार एवं कुपोषण को समाप्त करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 9 से 18 फरवरी तक वजन त्योहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शहरी परियोजना अंतर्गत यतियतन लाल वार्ड में आज वजन त्योहार एवं विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद एवं पार्षद श्रीमती सुनैना ठाकुर उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा उनका वजन एवं ऊंचाई मापी गई।

शिविर के दौरान उपाध्यक्ष श्री देवीचंद राठी ने कहा कि नियमित वजन मापन से कुपोषण की पहचान समय पर की जा सकती है, जिससे बच्चों को बेहतर पोषण एवं देखभाल मिलती है। उन्होंने न्योता भोज को जनसमुदाय से जोड़ने की अपील करते हुए समाज की सहभागिता को आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है, जिससे परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार संभव है। शिविर में कुपोषित एवं अत्यंत कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें विशेष पोषण आहार एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा से जोड़ने की प्रक्रिया की गई। वहीं गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आयरन, कैल्शियम एवं अन्य पोषक तत्वों के सेवन की सलाह दी गई। वर्तमान में इस सेक्टर के केंद्रों में 0 से 5 वर्ष के 169 बच्चे, 40 किशोरियां एवं 32 गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हैं। इस अवसर पर पालकों को बच्चों के लिए संतुलित आहार संबंधी आहार तालिका प्रदान कर खान-पान में सुधार हेतु मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही हाथ धोने की आदत, स्वच्छता एवं नियमित टीकाकरण के महत्व पर भी जागरूक किया गया। जांच के उपरांत पालकों को बच्चों की पोषण रिपोर्ट की जानकारी दी गई तथा बताया गया कि जीवन के शुरुआती 6 वर्ष बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक विकास की मजबूत नींव होते हैं।

शासकीय प्राथमिक एवं पू.मा. शाला बड़ेटेमरी में न्यौता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे, विकासखंड स्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव, एबीईओ लोकेश्वर सिंह कंवर ,संकुल नोडल प्राचार्य हेस्कृष्ण बेहरा ,संकुल समन्वयक वारिश कुमार के मार्गदर्शन में बसना विकासखंड के संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला/पू. मा. शाला बड़ेटेमरी में श्री ओंकार-भूमिसुता नायक,टीकाराम,अंजु नायक, प्रेम-लक्ष्मी नायक,निंद्रा पटेल, व समस्त नायक परिवार बड़ेटेमरी द्वारा स्वप्रेरित होकर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर दिनांक 16.02.2026, दिन - सोमवार को प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला के समस्त छात्रों को पूर्ण न्यौता भोज कराया गया,जिससे समस्त छात्रों को मध्याह्न भोजन के साथ पूरक पोषण भी प्राप्त हो सके। न्यौता भोज पाकर सभी छात्र - छात्राएं बहुत आनंदित हुए। शाला परिवार की ओर से धन्यवाद देते हुए,सभी पालकों को ऐसे कार्यक्रम करने हेतु प्रेरित किया गया,जिससे मध्यान्ह भोजन के साथ ही साथ अतिरिक्त पोषण प्राप्त हो सके। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय से शिक्षक श्रीमती नीलम कुमार, भोलाप्रसाद सामल, श्रीमती झामा ध्रुव, वेदकुमार साव, चम्पतलाल चौधरी,शिक्षादूत कु.इंदु पटेल , कु.पुष्पलता जगत,रसोइया श्रीमती चांदनी पटेल,नवधाराम यादव,मिथिला जगत,सुशीला जगत, परमनमोती पटेल, स्वीपर सरिता साव, शाला प्रबंधन समिति सदस्यगण एवं पालकगण उपस्थित रहे। अंत में प्रधान पाठक वारिश कुमार द्वारा नायक परिवार बड़ेटेमरी का शाला परिवार की ओर से आभार प्रदर्शन किया गया।

छत्तीसगढ़ के पच्चास हजार से भी ज्यादा आंगनबाड़ी केन्द्रो मे दिनांक 26 एवं 27 फरवरी को लटकने जा रहा है ताला

महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी काम होगे ठप्प

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। आइसीडीएस के स्थापना को हुये पच्चास वर्ष हो गए है लेकिन इस लम्बे अतराल से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओ को केन्द्र सरकार द्वारा सहायिका को महज ही रू 2250 और कार्यकर्ता को रू 4500 ही मानदेय दिया जा रहा .इसके अलावा केन्द्र सरकार से ना कोई पेशन.है ना ग्रेज्युवेटी.ना समूह बीमा.बेटी या बेटा की शादी हो .स्वयं की लम्बी बिमारी हो या फिर परिवार के किसी सदस्य बीमार है और यदि उसका देखभाल करनी है तो कोई अवकाश सुविधा नही दिया जा रहा है।मानदेय कटवाकर पारिवारिक दायित्वो का निर्वहन किया जाता है. आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओ की नियुक्ति आंगनबाड़ी केन्द्रो और महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यो के सम्पादन के लिये किया जाता है लेकिन वर्मान मे इनसे लगभग सभी विभागो का काम लिया जाता है सभाओ मे भीड़ बढ़ाने के लिये भी बुलाया जाता है.काम के बोझ और अफसरो के गुलामी भरी जिन्दगी से त्रस्त होकर छत्तीसगढ़ के एक लाख से भी अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाये एक बार फिर से लाम बंद होकर सड़क पर उतरने की तैय्यारी कर ली गई है.

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओ के विभिन्न संगठनो का संयुक्त मंच के पदाधिकारियो का कहना है कि जब हमसे काम लेना रहता है तो शासकीय कर्मचारियो से ज्यादा जिम्मेदार हमको सरकार मानती है आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को एक बहुउद्देशीय कार्यकर्ता बना दिया गया है ।हमारे ऊपर सभी विभाग के अधिकारियो का नियंत्रण थोप दिया गया है.हम इंसान है एक समय मे कितना काम करें जिसका काम नही होता है वही आंख दिखाता है और कार्यवाही की अनुसंशा कर देता है.हमारे विभागीय अधिकारी भी हमे सपोर्ट नही करते.बात बात मे मानदेय काटना.नौकरी से निकालने की धमकिया दी जाती है .और इन सबकी आवाज उठाई जाती है तो सीधे नौकरी से हटाने की कार्यवाही किया जाता है। कुछ वर्ष पूर्व 2023 मे काग्रेसी कार्यकाल मे अपने हक और आवाज को संघर्ष का नेतृत्व करने वाले संघ पदाधिकारी प्रान्तीय सचिव श्रीमती सुमन यादव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रामकुण्ड रायपुर को गलत और कुटरचित आरोप लगाकर एकतरफा कार्यवाही करते हुये सेवा से पृथक किया गया है और आज उसे दो वर्ष से भी अधिक हो गया। अपील मे भी न्याय मिला है .इसी तरह एक वर्ष पहले सं पदाधिकारी कल्पना चंद को भी सेवा से बर्खास्त किया गया है प्रकरण अपील मे है लेकिन सुनुवाई लम्बित है.

इन्ही सभी बातो के कारण प्रदेश के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओ मे काफी आक्रोश व्याप्त है और लाम बद होकर सड़क पर उतरने की तैय्यारी की जा रही है । आंदोलन की जानकारी से सरकार को भी 12/2/2026 को अवगत कराया जा चुका है.समय रहते मांगे पूरी नही होने पर संयुक्त मंच द्वारा दो चरण मे संघर्ष का शंख नाद कर दिया गया है। प्रथम चरण मे दिनांक 26 एवं 27 को सभी 33 जिला मुख्यालयो कामबंद हड़ताल धरना रैली प्रदर्शन कर कलेक्टर के माध्यम से मान.प्रधान मंत्री जी और मान.मुख्यमंत्री जी के नाम ज्ञापन सौपा जायेगा.इसके बाद भी मागे पूरी नही हुई तो दिनांक 9 मार्च को राजधानी रायपुर मे विशाल प्रान्तीय धरना रैली और विधान सभा का घेराव करने का निर्णय लिया गया है ।

भटगांव में अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण को मिली गति

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने 18.38 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर। प्रदेश में संतुलित एवं समावेशी विकास को गति देने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के कार्य निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लगभग 18.38 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन एवं प्रारंभ पूजन किया।

ग्राम शिवनंदनपुर में 3.41 करोड़ रुपए के अधोसंरचना कार्यों का शुभारंभ

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम शिवनंदनपुर स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में अधोसंरचना मद अंतर्गत 3.41 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें नकना तालाब घाट निर्माण, फुटपाथ निर्माण, अटल परिसर निर्माण, आर.सी.सी. नाली निर्माण तथा बी.टी. रोड निर्माण कार्य शामिल हैं।

14.97 करोड़ रुपए से दो प्रमुख सड़कों का निर्माण एवं चौड़ीकरण

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े एक अन्य भूमिपूजन एवं प्रारंभ पूजन कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुईं, जिसमें लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 14.97 करोड़ रुपए (लगभग 15 करोड़ रुपए) की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य शामिल हैं। इनमें भटगांव से अनरोखा मार्ग (6.00 किमी) के चौड़ीकरण एवं निर्माण हेतु 878.50 लाख रुपए तथा पकनी से चेन्द्रा मार्ग (5.60 किमी) के चौड़ीकरण एवं निर्माण हेतु 618.63 लाख रुपए की स्वीकृति सम्मिलित है। इन सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा व्यापारिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही ग्राम स्तर पर आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण होगा और स्थानीय नागरिकों को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुगम अधोसंरचना उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शासन का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाना तथा विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में वन विकास निगम अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा सहित जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शासन की योजनाओं से सशक्त हुई महिलाएं : श्रीमती मनबासों बनीं 'लखपति दीदी'

रायपुर।

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में संचालित योजनाएं जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। राज्य शासन की वित्तीय सहायता एवं स्व-सहायता समूह आधारित आजीविका मॉडल से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत अमरावतीपुर की श्रीमती मनबासों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित करते हुए 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी पहचान बनाई है।श्रीमती मनबासों का परिवार आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर स्थिति में था। सीमित संसाधनों में परिवार का भरण-पोषण करना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में उन्नति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय उनके जीवन में परिवर्तनकारी साबित हुआ। समूह के माध्यम से उन्हें सामुदायिक निवेश निधि के रूप में 60 हजार रुपये तथा बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ।प्राप्त वित्तीय सहयोग से मनबासों ने अपने गांव में किराना एवं पूजा सामग्री की दुकान प्रारंभ की। निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं व्यवसायिक प्रबंधन के माध्यम से उन्होंने अपने उद्यम को सुदृढ़ किया। वर्तमान में वे प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। जहां पहले परिवार की आय हजारों रुपये तक सीमित थी, वहीं अब स्थायी आय के स्रोत से परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।श्रीमती मनबासों ने प्राप्त आय से अपने बच्चों की उच्च शिक्षा सुनिश्चित की है तथा परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं। वे अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। उनका कहना है कि शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर एवं वित्तीय संस्थानों से समुचित सहयोग प्राप्त कर महिलाएं कृषि एवं दिहाड़ी मजदूरी से आगे बढ़कर स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

राज्य शासन द्वारा संचालित महिला स्व-सहायता समूह मॉडल न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बन रहा है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राज्यपाल के गोद ग्राम टेमरी के ग्रामीणों ने किया लोकभवन का भ्रमण

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर लोकभवन की गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के ग्राम टेमरी के जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों के सदस्यों और अन्य ग्रामीणों ने सरपंच श्री शिवमूर्ति कोसले और विहान स्व-सहायता समूहों की प्रमुख सुश्री गीता बंजारे के साथ आज लोकभवन का भ्रमण किया। लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी, सचिवालय की विभिन्न शाखाओं और हरे-भरे उद्यान का भ्रमण कराया गया और इन स्थानों के संबंध में उन्हें विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। ग्रामीणों ने परिसर में स्थापित तोप का भी अवलोकन किया यह वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान उपयोग में लाया गया था। भ्रमण एवं अवलोकन के बाद ग्रामीणों ने बताया कि लोकभवन में आकर उन्हें बहुत आनंद का अनुभव हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस ग्राम को राज्यपाल श्री डेका ने गोद लिया है।

मुख्य सचिव ने मंत्रालय महानदी भवन में नवा अंजोर विजन@ 2047 मॉनिटरिंग पोर्टल की समीक्षा की

रायपुर। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में छत्तीसगढ़ नवा अंजोर विजन@ 2047 मॉनिटरिंग पोर्टल की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के सचिव उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने नवा अंजोर विजनञ्च 2047 के अंतर्गत निर्धारित इंडिकेटर्स की राज्य स्तरीय समीक्षा करते हुए सभी विभागीय सचिवों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों की नियतकालिक उपलब्धि तथा अद्यतन जानकारी मॉनिटरिंग पोर्टल में समय-समय पर दर्ज करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से योजनाओं की प्रगति की प्रभावी निगरानी एवं मूल्यांकन संभव है, जिससे राज्य के विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में गति आएगी।

मुख्य सचिव ने सभी विभागीय सचिवों को अपने विभागीय डैशबोर्ड पर ऑनलाइन प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित इंडिकेटर्स के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विजन 2047 के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति हेतु समन्वित एवं परिणामोन्मुख कार्यवाही पर विशेष जोर दिया गया।

अनविता ग्रुप ने ग्लोबल एक्सपेंशन स्ट्रैटेजी शुरू की

नईदिल्ली: रियल एस्टेट फर्म अनविता ग्रुप तेजी से एक बड़े विस्तार की ओर बढ़ रही है। ग्रुप के चेयरमैन बोप्पना अच्युता राव ने बताया कि अनविथा के पास वर्तमान में 10 मिलियन वर्ग फुट में फैली प्रोजेक्ट्स अंडर कंस्ट्रक्शन हैं, जिनमें लगभग 4,200 यूनिट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 20 मिलियन वर्ग फुट में फैले प्रोजेक्ट्स अप्रूवल के विभिन्न चरणों में हैं। अपनी विस्तार रणनीति के तहत, कंपनी हैदराबाद में तीन और विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा में एक-एक नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने की योजना बना रही है, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 11,000 यूनिट्स होंगी।

कंपनी का लक्ष्य 2029 तक सभी पांच प्रोजेक्ट्स को पूरा करना है। अच्युता राव ने बताया कि प्रोजेक्ट्स को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिजाइन किया जा रहा है, जिसमें फ्लोर प्लानिंग, क्लब हाउस, माहौल और लाइफस्टाइल संबंधी सुविधाओं

जैसे क्षेत्रों में ग्राहकों की प्रतिक्रिया को शामिल किया गया है।

ग्लोबल एक्सपेंशन - तेलुगु भाषी राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के बाद, अनविता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रही है। अमेरिका में, कंपनी ने डलास, टेक्सास में 17 एकड़ में फैले एक रेज़िडनेशियल प्रोजेक्ट शुरू की है और साथ ही वहां अपना अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेट ऑफिस भी स्थापित कर रही है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका में 500 एकड़ में फैले 1,700 विला वाला एक विशाल प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कंपनी ने इस साल के अंत में दुबई में एक नई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना की भी घोषणा की है।

शानदार फाइनेंस स्कीम - अनविता ग्रुप ने घर खरीदारों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए अपनी अभिनव 10/90 गृह खरीद योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत, ग्राहकों को फ्लैट की लागत का केवल 10त्न अग्रिम भुगतान करना होगा, जबकि ईएमआई का भुगतान घर सौंपे जाने के बाद ही शुरू होगा। इस प्रोजेक्ट का लॉंच अनविता ग्रुप के चेयरमैन बोप्पना अच्युता राव और कंपनी के ब्रांड एंबेसडर, पद्म भूषण पुरस्कार विजेता नंदामुरी बालकृष्ण ने संयुक्त रूप से किया।

अच्युता राव ने कहा, कई ग्राहकों के पास पहले से ही ऋण हैं, और घर का पजेशन मिलने से पहले ही ईएमआई का भुगतान करना उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन जाता है। इस 10/90 योजना के तहत, अनविता निर्माण पूरा होने और घर सौंपे जाने तक यह ज़िम्मेदारी उठाएगी।

इस पहल से अधिक परिवारों को अपना घर खरीदने का सपना पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी। बालकृष्ण ने कंपनी की कस्टमर सेंट्रिक फ़िलासफ़ी की प्रशंसा करते हुए कहा, ग्राहक द्वारा इन्वेस्ट किए गए प्रत्येक रुपये का वास्तविक मूल्य प्रदान करना, अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स अनुभव का लाभ उठाना, बेस्ट प्राइस ऑफर करना और प्लेटिनम-ग्रेड स्टैंडर्ड्स का पालन करना - ये वे ताकतें हैं जो अनविता की प्रतिष्ठा को बढ़ाती हैं।

1.6-किलोमीटर का स्काईवॉक - हैदराबाद के बाहरी इलाके कोल्लूर के पास, अनविता कंपनी अनविता हाई 9 का निर्माण कर रही है, जिसमें 31 मंजिला 9 टावर हैं और कुल 2,200 अपार्टमेंट हैं। यह भारत का अपनी तरह का पहला स्काईवॉक है। कंपनी के डायरेक्टर नागभूषणम बोप्पना ने कहा, इसकी एक खास विशेषता सभी टावरों को जोड़ने वाला 1.6 किलोमीटर लंबा स्काईवॉक है, जो भारत में अपनी तरह का पहला होने का दावा करता है।

कोल्लूर में स्थित एक और प्रीमियम प्रोजेक्ट, इवाना, ने अपने पहले चरण का काम निर्धारित समय से लगभग एक साल पहले पूरा कर लिया है। इस प्रोजेक्ट में दो टावरों में 450 यूनिट्स हैं, और अतिरिक्त 1,400 यूनिट्स का निर्माण कार्य अभी जारी है।

संक्षिप्त समाचार

आईआईएफएल फाईनेंस ने 9 प्रतिशत सालाना रिटर्नके साथ 2,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए

देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाईनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में सेएक, आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड ने रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबलडिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू जारी किए हैं, जो मंगलवार, 17फरवरी, 2026 से मिलना शुरू होंगे। इनका इश्यू साईज़ 500 करोड़ रुपयेहै, और 1,500 करोड़ रुपये तक का ओवरसब्सक्रिप्शन बनाए रखने केलिए ग्रीन-शू विकल्प है। इस प्रकार कुल इश्यू साईज़ 2,000 करोड़ रुपयेका होगा। इस फंड का उद्देश्य कंपनी के व्यवसाय में वृद्धि करना और पूंजीबढ़ाना है। इस एनसीडी द्वारा 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक का प्रभावी रिटर्न मिलेगा औरयह 24 महीनों, 36 महीनों, और 60 महीनों की अवधियों के लिए उपलब्धहोगा। ब्याज का पे-आउट मासिक, वार्षिक या मैच्योरिटी के बाद लिया जा सकता है। इस इश्यू को क्राईसिल रेटिंग्स ने क्राईसिल एए/स्टेबल रेटिंग दी है।ब्रिकवर्क रेटिंग्स द्वारा इसे बीडब्लूआर एए+ (स्टेबल) रेटिंग दी गई है, जिससे प्रदर्शित होता है कि इनमें बहुत कम क्रेडिट रिस्क है और येफाईनेंशियल दायित्वों को समय पर पूरा करने के लिए बहुत ज्यादासुरक्षित हैं। श्री निर्मल जैन, फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, आईआईएफएलफाईनेंस ने कहा कि, "आईआईएफएल फाईनेंस भारत के प्रमुखएनबीएफसी में से एक है। यह पूरे देश में मजबूत स्थिति रखता है। इसकाडाईवर्सिफाईड रिटेल पोर्टफोलियो 4.6 मिलियन से अधिक वंचित ग्राहकोंको क्रेडिट प्रदान करता है।

आईडीबीआई बैंक ने 15 लाख के हेल्थ इंश्योरेंस कवर के साथ 'आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट' स्कीम शुरू की

आईडीबीआई बैंक ने आज 'आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट' स्कीम शुरू की। यह एक अद्वितीय फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम है, जिसमें हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के साथ एश्योर्ड रिटर्न भी मिलता है। इससे ग्राहकों के कल्याण और वित्तीय सुरक्षा के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम में ग्राहक 7.50 लाख की निश्चित राशि 370 दिनों के लिए जमा कर सकते हैं, जिसमें उन्हें फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज के साथ 15 लाख तक का हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज भी मिलेगा। हेल्थ इंश्योरेंस कवर इस प्रोडक्ट के लिए बैंक के इंश्योरेंस पार्टनर केयर हेल्थ इंश्योरेंस द्वारा दिया जाएगा। यह स्कीम उन रेज़िडेंट व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए पेश की गई है, जिनकी उम्र 18 साल से लेकर 58 साल 11 महीने के बीच है। स्कीम के बारे में आईडीबीआई बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सुमित फक्का ने कहा, आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम आईडीबीआई बैंक का ग्राहकों पर लगातार केंद्रित इनोवेशन प्रदर्शित करती है। हम एश्योर्ड रिटर्न के साथ हेल्थ इंश्योरेंस कवर देकर एक ऐसा व्यवहारिक समाधान पेश कर रहे हैं, जो ग्राहकों को वित्तीय स्थिरता के साथ हेल्थ सिक्योरिटी भी प्रदान करता है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एमजी मैजेस्टर का अनावरण किया, भारत की पहली डी+ सेगमेंट एसयूवी

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज एमजी मैजेस्टर को पेश किया। यह भारत की पहली डी+ एसयूवी है। इसे उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो बोल्ड, प्रभावशाली, बेहतर क्षमता से लैस, अटल विश्वसनीयता और बेजोड़ सुंदरता वाली जीवनशैली चाहते हैं। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में शानदार पदार्पण के बाद, मैजेस्टर अब एमजी की सबसे मजबूत, टिकाऊ और प्रीमियम एसयूवी बन गई है।इसे भारतीय सड़कों और उससे आगे के लिए तैयार किया गया है। शीर्ष प्रदर्शन, सड़क पर दबदबा, सभी भूभागों पर बेहतर क्षमता, प्रीमियम आराम और उन्नत सुरक्षा के लिए निर्मित, मैजेस्टर अत्याधुनिक 4×4 कौशल का प्रदर्शन करती है। इसकी इनोवेशन, लग्जरी फीचर्स, शीर्ष स्तर की सुरक्षा और स्थायी निर्माण गुणवत्ता इसे बेहतरीन बनाते हैं। आज से मैजेस्टर प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध है, जबकि पूर्ण रेंज की कीमत और बाजार उपलब्धता लॉन्च के निकट घोषित की जाएगी। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक अनुराग मेहरोत्रा ने कहा, ×ह्लह्वशह्ल;भारत का प्रीमियम एसयूवी ग्राहक तेजी से विकसित हो रहा है, वह केवल जगह की नहीं, बल्कि एक ऐसे वाहन की तलाश में है जो प्रतिष्ठा का प्रतीक हो, आत्मविश्वास जगाए, और अधिक महत्वाकांक्षी जीवनशैली में सहजता से घुल-मिल जाए। एमजी मैजेस्टर के साथ, हमने एक ऐसी एसयूवी बनाई है जो अपनी क्षमता में मजबूत, आराम में परिष्कृत और इंजीनियरिंग में भरोसेमंद है। मैजेस्टर हमारे लिए उस दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है जिसके लिए एक सच्ची, फुल साइज़ की एसयूवी को जाना जाना चाहिए। इसकी प्रभावशाली मौजूदगी, परिष्कृत प्रीमियम शिल्प कौशल, इंटेलीजेंट टेक्नोलोजी इसके प्रदर्शन को शानदार बनाती है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर, पानी टंकी के नीचे
Email:- rmczone3@gmail.com

क्रमांक 67/ न.पा.नि. जोन 03 / 2025-26 रायपुर, दिनांक 16/02/2026

रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्र. 03 अंतर्गत रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) के माध्यम से जोन क्रमांक-03 अंतर्गत निजी भवनों में रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के कार्य हेतु राशि रू. 9.53 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इच्छुक पंजीकृत अशासकीय संगठन (एन.जी.ओ.), स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियां, बेरोजगार इंजीनियर्स एवं निगम से पंजीकृत हाईड्रोलॉजिस्ट एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से बंद लिफाफे में दरे दिनांक 24.02.2026 तक आवेदनकर्ता फर्म / संस्था का जीवित पंजीयन, पैन कार्ड, जी.एस.टी. संलग्न कर अमानती राशि का एफ.डी.आर. राशि रू.10,000/- (जोन आयुक्त जोन क्र. 03 नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से) का स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है 1

उक्त कार्य हेतु निर्धारित आवेदन पत्र का डी.डी. राशि रू.2000/- जोन आयुक्त जोन क्र. 03 नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से दिनांक 20.02.2026 सायं 5.00 बजे तक दर प्रपत्र प्राप्त कर सकते है। दरे सभी करो को सम्मिलित कर होगी तथा कटौतियां भी शासन के नियमों के अंतर्गत की जावेगी। (स्व-सहायता समूह / असंगठित कर्मचारी पंजीकृत समितियों को धरोहर राशि में छूट की पात्रता होगी)

इस कार्य हेतु अन्य जानकारियों, नियम व शर्ते कार्यालयीन अवधि में कार्यपालन अभियंता जोन क्र. 03 नगर पालिक निगम, रायपुर से प्राप्त की जा सकती है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक - 3
नगर पालिक निगम, रायपुर

संपादकीय

प्रकाशन के इंतजार में नरावणे की किताब

सत्ता पक्ष के मुताबिक चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? बेहतर होगा कि प्रकाशन की मंजूरी अविलंब दी जाए। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की किताब लगभग 21 महीनों से प्रकाशन के इंतजार में है, क्योंकि उसे केंद्र से हरी झंडी नहीं मिली है। अब उस किताब में वर्णित बातों को लेकर एक अंग्रेजी पत्रिका ने लंबी रिपोर्ट छापी है। उसमें शामिल एक प्रकरण का हवाला विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा में देना चाहते थे। मगर सत्ता पक्ष की आपत्तियों के बीच स्पीकर ने इसकी इजाजत नहीं दी। बहरहाल, कांग्रेस ने उस पूरी रिपोर्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर डाल कर उसे जनमत के बड़े हिस्से तक पहुंचा दिया है। इसके मुताबिक अगस्त 2020 में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण कैलाश रेंज की चोटी पर भारतीय फौज के नियंत्रण के बाद चीन ने हमला करने की तैयारी की थी। जब टैंकों समेत चीनी सेना की टुकड़ियां आगे बढ़ रही थीं, तब तत्कालीन सेनाध्यक्ष नरावणे ने बार-बार रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, और विदेश मंत्री को फोन कर जवाबी कार्रवाई के लिए निर्देश मांगे। मगर इस पर घंटों तक टाल-मटोल की गई। आखिरकार प्रधानमंत्री से चर्चा के बाद राजनाथ सिंह ने उन्हें निर्देश दिया- जो उचित लगे, वह करें। स्पष्टत: ये प्रकरण वर्तमान सरकार की नेतृत्व क्षमता एवं संकल्प शक्ति को कठघरे में खड़ा करता है। सेना युद्ध संबंधी फौरी (टैक्टिल) फैसले ले सकती है, लेकिन ऑपरेशनल एवं रणनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व होता है। रिपोर्ट के मुताबिक जनरल नरावणे के सामने कई कठिन प्रश्न थे। कोरोना के कारण देश अस्त-व्यस्त था, जिससे मोर्चों पर सहज सप्लाई को लेकर आशंकाएं थीं। फिर युद्ध फैलता, तो विदेश नीति एवं कूटनीति संबंधी उसके परिणामों का आकलन सरकार ही कर सकती थी। मगर उस कठिन घड़ी में केंद्र ने जिम्मेदारी सेनाध्यक्ष पर टाल दी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर प्रश्न है कि किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? सरकार के पास कुछ ढकने को नहीं है, तो बेहतर होगा कि वह तुरंत किताब प्रकाशन की मंजूरी दे, ताकि देश तत्कालीन सेनाध्यक्ष के अनुभव उनके ही शब्दों में जान सके।

अब भी लाट साहेब ही रहेंगे

प्रदेशों की राजधानियों में अंग्रेजों के जमाने में बने और कई कई एकड़ में फैले विशाल भवनों को, जहां राज्यपाल रहते हैं, राजभवन कहा जाए या लोकभवन क्या फर्क पड़ता है? लोकभवन नाम रख देने से न तो उसमें रहने वालों की उपयोगिता बढ़ जाएगी और न उनका एटीट्यूड बदल जाएगा। वे अंग्रेज के जमाने में भी लाट साहेब थे और अब भी लाट साहेब ही रहेंगे। सजावटी और बिना मतलब का पद होने के बावजूद उनको वह प्रोटोकॉल मिलेगा, जो राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को मिलता है। वे कई एकड़ में फैले भवनों में रहेंगे, सैकड़ों कर्मचारी उनकी सेवा करेंगे, उनको भारी भरकम सुरक्षा मिलेगी और वे बड़ी गाड़ियों में ढेर सारी गाड़ियों के काफिले के साथ सड़क पर निकलेंगे। इतना ही नहीं केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के अलावा उनके लौह द्वार पर न तो कोई और दस्तक दे सकता है और न उनके दस्तक से आम लोगों के लिए लौह द्वार खुलता है। पहले अपवाद के तौर पर होता था लेकिन अब यह नियम हो गया है कि लोकभवन में रहने वाला केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की आंख से चीजों को देखेगा और उसकी कान से ही चीजों को सुनेगा। साथ ही यह भी अब मेनस्ट्रीम हो गया है कि वह संविधान से ज्यादा राजनीति को महत्व देगा। अगर राज्य में भाजपा विरोधी पार्टी की सरकार है तो लोकभवन में रहने वाले माननीय उसका जीना दूभर किए रहेंगे। उस राज्य में होने वाली हर छोटी बड़ी घटना कानून व्यवस्था के लिए खतरा दिखाई पड़ेगी और उसमें दखल देकर उसका मुद्दा बनाया जाएगा। उन राज्यों की विधानसभाओं से पास किए गए विधेयक अनावश्यक तरीके से रोके जाएंगे। पहले जो एक झीना सा परदा होता था अब उसे भी उतार दिया गया है। ऐसा लग रहा है कि राजभवन को लोकभवन बनाने का यह अनिवार्य नतीजा है कि उसमें रहने वाले लोग लोकनेता की तरह व्यवहार करेंगे और केंद्र में सत्तारूढ़ दल की आलोचना नहीं बरदाश्त करेंगे। इसलिए वे राज्य सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण नहीं पढ़ेंगे। इससे पहले कभी भी राज्यपालों की ऐसी राजनीति देखने को नहीं मिली थी। एक के बाद एक तीन राज्यों में यह राजनीति देखने को मिली है। तमिलनाडु का नाम बदलने तक का प्रयास कर चुके राज्यपाल आरएन रवि वहां की विधानसभा की कार्यवाही का नियम बदलना चाहते हैं। तमिलनाडु विधानसभा के सत्र की कार्यवाही तमिल के प्रदेश गान से शुरू होती है और समापन राष्ट्रगान से होता है। पिछले चार साल से साल के पहले सत्र में राज्यपाल अभिभाषण नहीं पढ़ रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि कार्यवाही की शुरुआत राष्ट्रगान से हो। इस साल भी इसी नाम पर वे अभिभाषण पढ़े बगैर वापस चले गए। लेकिन अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी है कि तमिलनाडु सरकार के तैयार किए गए अभिभाषण में केंद्र सरकार के खिलाफ बहुत सारी बातें थीं। सो, केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बात है तो वह कैसे राज्यपाल पढ़ सकते हैं! केरल में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यही काम किया है। उन्होंने अभिभाषण पढ़ा लेकिन पैराग्राफ नंबर 12 का शुरुआती हिस्सा छोड़ दिया, जिसमें केंद्र सरकार के ऊपर संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करने और राज्य को आर्थिक व अन्य रूप से परेशान करने की बात थी। उन्होंने पैराग्राफ 15 का अंतिम हिस्सा भी नहीं पढ़ा क्योंकि उसमें राज्य विधानसभा से पास विधेयक बेवजह रोके जाने का जिक्र था। ध्यान रहे पिछले और मौजूदा राज्यपाल दोनों ने कई विधेयक महीनों तक रोके रखा। तीसरे राज्यपाल थावरचंद गहलोत हैं। उन्होंने कर्नाटक विधानमंडल के इस साल के पहले सत्र की साझा कार्यवाही में अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। राज्य के कानून व संसदीय कार्यमंत्री का कहना है कि 11 पैराग्राफ्स को लेकर राज्यपाल को आपत्ति थी। उन्होंने इन्हें हटाने के लिए कह दिया।

ढाका में बदलाव की हवा, भारत के सामने नई कसौटी

डॉ. प्रियंका सौरभ

बांग्लादेश के हालिया आम चुनावों में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद राजनीति में लौटे तारिक रहमान ने अपनी माँ और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी को दो-तिहाई से अधिक सीटें दिलाईं। यह जीत न केवल एक चुनावी सफलता है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में सत्ता संतुलन के व्यापक पुनर्संयोजन और एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत का संकेत भी देती है। भारत के लिए यह परिणाम अवसरों के साथ-साथ कई रणनीतिक अनिश्चितताएँ भी लेकर आया है, जिनका प्रबंधन आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा।

पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण, विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक धारा के प्रभुत्व ने मतदाताओं में प्रशासनिक थकान और परिवर्तन की आकांक्षा को जन्म दिया। बीएनपी की जीत को इसी व्यापक जन-असंतोष और राजनीतिक विकल्प की तलाश के परिणाम के रूप में देखा जा सकता।

तारिक रहमान लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली, किंतु विवादास्पद चेहरा रहे हैं। निर्वासन काल के दौरान उन पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कट्टरपंथी तत्वों से संबंधों जैसे आरोप लगे, जिनके कारण उनकी छवि धूमिल हुई। हालांकि दिसंबर 2025 में लंदन से स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और जमीनी स्तर पर जन आंदोलन को पुनर्जीवित किया। निर्वासन काल के अनुभवों को उन्होंने राजनीतिक पूंजी में बदला और बीएनपी को चुनावी रूप से पुनर्स्थापित किया। इस संदर्भ में यह जीत केवल पारिवारिक विरासत का विस्तार नहीं, बल्कि रणनीतिक पुनर्संयोजन, संगठनात्मक अनुशासन और बदलते राजनीतिक यथार्थ को समझने की क्षमता की सफलता भी मानी जा रही है।

बीएनपी ने 13वें आम चुनावों में आर्थिक सुधार, भ्रष्टाचार उन्मूलन और अल्पसंख्यक सुरक्षा को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में प्रस्तुत किया। बेरोज़गारी, महँगाई और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया। पार्टी ने अपनी पारंपरिक कट्टरपंथी छवि से दूरी बनाने का प्रयास किया और हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह जनादेश इस बात को रेखांकित करता है कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व और प्रशासनिक थकान के बाद मतदाताओं ने परिवर्तन को प्राथमिकता दी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता परिवर्तन ने यह भी संकेत दिया कि बांग्लादेशी समाज स्थिरता के साथ-साथ उत्तरदायी शासन की अपेक्षा रखता है।

भारत के दृष्टिकोण से बीएनपी की यह जीत मिश्रित संकेत देती है। ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध अवामी लीग सरकार के साथ अधिक सहज और स्थिर रहे हैं। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शेख हसीना सरकार ने भारत के साथ घनिष्ठ तालमेल रखा। इसके विपरीत, बीएनपी को लेकर नई दिल्ली में हमेशा संदेह बना रहा है, विशेषकर 2001ङ्क06 के शासनकाल के अनुभवों के कारण। हालांकि हाल के वर्षों में तारिक रहमान ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। चुनावों से पहले भारत द्वारा बीएनपी को अनौपचारिक रूप से ग्रीन सिग्नल देना इसी बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह संकेत करता है कि भारत अब बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में किसी एक दल पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी संवाद की नीति अपनाने को तैयार है।

आर्थिक दृष्टि से बीएनपी सरकार भारत के लिए नए अवसर खोल सकती है। बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दक्षिण एशिया में भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का अहम स्तंभ भी है। नई सरकार के कार्यकाल में द्विपक्षीय व्यापार के 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जलविद्युत सहयोग, सीमा व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। बांग्लादेश की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारतीय निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है। अल्पसंख्यक हितों की रक्षा को लेकर बीएनपी की सार्वजनिक प्रतिबद्धता भारत की सामाजिक और राजनीतिक चिंताओं को कुछ हद तक कम करती है।

इसके बावजूद, अनिश्चितताएँ बनी हुई हैं। बीएनपी पर कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों की भूमिका को लेकर सतर्कता आवश्यक है। तारिक रहमान पर लगे पुराने भ्रष्टाचार आरोप, पाकिस्तान के साथ कथित संबंध और हालिया सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारतङ्कबांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ, तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवाद से जुड़े जोखिम भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती, तो द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित हो सकता है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीति पर भी पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान क्षेत्र में अपने प्रभाव को लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत रखे, ताकि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के प्रतिकूल न जाए। बहुपक्षीय मंचों और उप-क्षेत्रीय सहयोग पहलों के माध्यम से संवाद और सहयोग को सुदृढ़ किया जा सकता है।

ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए संतुलित और सक्रिय कूटनीति अपनाना अनिवार्य होगा। अवामी लीग के साथ पुराने संबंधों को बनाए रखते हुए बीएनपी सरकार के साथ संवाद स्थापित करना भारत के दीर्घकालिक हित में है। एकतरफा झुकाव के बजाय संस्थागत और बहुदलीय संपर्क भारत को अधिक रणनीतिक लचीलापन प्रदान करेगा।

मानवाधिकार, अल्पसंख्यक सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के मुद्दों पर भारत को न तो उपेक्षा करनी चाहिए और न ही अत्यधिक हस्तक्षेप करना चाहिए। विवेकपूर्ण संतुलन ही भारत की प्रभावशीलता को बनाए रख सकता है।

तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की यह जीत भारत के लिए न तो पूरी तरह जोखिमपूर्ण है और न ही पूर्णत: अवसर-प्रधान। यह एक संक्रमणकालीन दौर है, जिसमें सतर्कता, संवाद और व्यावहारिक कूटनीति के माध्यम से भारत न केवल अपने हितों की रक्षा कर सकता है, बल्कि भारतङ्कबांग्लादेश संबंधों को एक नई और अधिक परिपक्व दिशा भी दे सकता है। यदि अनिश्चितताओं का प्रभावी प्रबंधन किया गया और सहयोग के क्षेत्रों को सुदृढ़ किया गया, तो यह राजनीतिक परिवर्तन न केवल द्विपक्षीय संबंधों को, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और सहयोग की संभावनाओं को भी सशक्त कर सकता है।

शंकराचार्य मुद्दे पर सरकार का समर्थन

हरिशंकर व्यास

जिस समय मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई या जिस समय अयोध्या का आंदोलन चला और साधु, संतों पर गोलियां चलीं उस समय सोशल मीडिया नहीं था, निजी टेलीविजन चैनल नहीं थे और अखबारों की पहुंच भी सीमित थी। इसलिए जिनको लड़ना पड़ा, सड़क पर उतर कर लड़ना पड़ा। आज मीडिया और सोशल मीडिया के जमाने में वही लड़ाई नैरेटिव के स्तर पो रही है। अगर इस फैक्टर को विश्लेषण में शामिल करें तो कह सकते हैं कि यूजीसी के नए नियमों और प्रयागराज के कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए बरताव पर वैसी ही या उससे ज्यादा प्रतिक्रिया हुई है, जैसी नब्बे के दशक में मंडल और कमंडल को लेकर हुई थी। उस समय प्रतिक्रिया सड़क पर दिख रही थी, जबकि अभी हर घर के ड्राइंगरूम में दिखी है। हर स्मार्टफोन और टेलीविजन सेट इस लड़ाई का अखाड़ा बना। इन दोनों मुद्दों को लेकर वास्तविक यानी सड़क पर उतर कर भी लड़ाई हुई लेकिन ज्यादा बड़ी लडाई आभासी यानी वर्चुअल थी। उसको देखें तो कई बातें दिखती हैं। कई लोगों का मानना है कि यह सिर्फ संयोग है कि शंकराचार्य की घटना और यूजीसी के नियम एक ही समय में आए। वे इसको भी संयोग मान रहे हैं कि माघ मेले में शंकराचार्य पालकी लेकर गए, जिस पर टकराव हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी आदत के मुताबिक अड़ गए, जिससे विवाद आगे बढ़ गया। ऐसे ही यूजीसी के नियम भी संयोग हैं। जान बूझकर जारी नहीं किए गए। यूजीसी के नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक और शंकराचार्य को मना कर पूर्णिमा के दिन स्नान के लिए माघ मेले में लाने की खबर से इन घटनाओं को संयोग मानने वाले संतुष्ट हुए हैं। एक दूसरी धारणा इनको प्रयोग मानने की है। माना जा रहा है कि ब्राह्मणवादी हिंदुत्व को कमजोर करने और बहुजन आधारित हिंदुत्व को मजबूत करने के प्रयोग के तौर पर ये दोनों काम हुए हैं। हिंदुत्व का चेहरा तो नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ है ही। अब इन्होंने कुछ ऐसा किया है, जिससे इधर उधर भाग रही पिछड़े, दलित और आदिवासियों को इनके चेहरे के ईर्द गिर्द गोलबंद किया जाए। अगडों को निशाना बना कर यह काम किया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा मान रही है कि अगड़ी जातियों के लोग मजबूरी में उसको वोट करेंगे इसलिए उनकी ज्यादा परवाह करने की जरुरत नहीं है। ध्यान रहे शंकराचार्य का पद ही ऐसा है, जो वेदपाठी, संस्कृत जानने वाले ब्राह्मण के लिए होता है। शंकराचार्य ही शंकराचार्य नियुक्त करते हैं। बाकी कथावाचक कोई भी बन सकता है और महामंडलेश्वर का क्या है वह तो हिंदी सिनेमा की एक अभिनेत्री भी बन गई थी, जिसको अब हटाए जाने की खबर है।

पैन इंडिया हिंदुत्व की राजनीति

अजीत द्विवेदी

राजनीतिक और सामाजिक बदलाव के लिहाज से यह बहुत दिलचस्प समय दिख रहा है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी पैन इंडिया हिंदुत्व की राजनीति को स्थापित करने की बेहद आक्रामक राजनीति कर रही है। उसने 80 और 20 वाली राजनीति को उत्तर प्रदेश की सीमा से निकाल कर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पूरे देश में आजमाने की राजनीति शुरू की है तो दूसरी ओर प्रादेशिक पार्टियों के पास इसकी काट के लिए सिर्फ भाषायी और क्षेत्रीय पहचान का मुद्दा दिख रहा है। कांग्रेस इस पूरे विमर्श से बाहर हो गई दिखती है। ऐसा लग रहा है कि उसको कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि किस वैचारिक धरातल पर अपनी राजनीतिक रणनीति बनाए।

तभी देश का राजनीतिक मुकाबला भाजपा बनाम प्रादेशिक पार्टियों का बनता जा रहा है। महाराष्ट्र में इसकी एक परीक्षा हुई है और भाजपा ने मराठी मानुष की पहचान की उद्धव और राज ठाकरे की राजनीति को बुरी तरह से परास्त किया। ध्यान रहे भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति के प्रत्युत्तर के तौर पर ही उद्धव ठाकरे ने मुंबई में कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी का साथ छोड़ा और राज ठाकरे से हाथ मिलाया। उद्धव नरम तो राज ठाकरे गरम राजनीति कर रहे थे। राज ठाकरे ने उत्तर और दक्षिण भारतीयों के खिलाफ जहर उगला तो गुजरातियों के खिलाफ भी जबरदस्त आक्रामकता दिखलाई। लेकिन चुनाव जीतने के लिहाज से यह राजनीति कम पड़ गई। मुंबई में तो फिर भी उद्धव ठाकरे की जमीन कुछ बची लेकिन वहां से बाहर उनकी पार्टी पूरी तरह से साफ हो गई।

बृहन्नमुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी के चुनाव से भाषायी और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति की सीमाएं उजागर हुई हैं। हालांकि मुंबई या किसी अन्य महानगर में पहचान की राजनीति की विफलता के आधार पर यह नहीं माना जा सकता है कि पूरे प्रदेश में यह राजनीति विफल हो जाएगी। इसका कारण यह है कि महानगरों की जनसंख्या संरचना काफी बदल गई है। मुंबई जैसे महानगर में 25 फीसदी के करीब आबादी उत्तर भारतीयों की है। लेकिन अगर पूरे महाराष्ट्र में मराठी अस्मिता के आधार पर चुनाव हो तो नतीजे अलग हो सकते हैं। तभी भाजपा भी मराठी और हिंदुत्व दोनों अस्मिताओं को एक साथ लेकर चलती है।

बहरहाल, इस राजनीति की पड़ताल अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में होने वाली है। ये पांचों राज्य भाषायी और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति वाले राज्य हैं। पश्चिम बंगाल में बांग्ला अस्मिता का मुद्दा है तो असम में भाषा और संस्कृति दोनों राजनीतिक संघर्ष का विषय बने हैं। उधर तमिलनाडु में भाषायी और क्षेत्रीय दोनों अस्मिता का मुद्दा है तो केरल में अब जाकर सत्तारूढ़ लेफ्ट पार्टी ने मलयालम भाषा की अस्मिता को राजनीति में आजमाने का फैसला किया है। राज्य की लेफ्ट मोर्चा की सरकार ने केंद्र सरकार की ओर से हिंदी थोपे जाने का मुद्दा उठाया है और मलयालम भाषा बिल पेश किया है, जिसका मकसद मलयालम को नंबर एक और पहली भाषा बनाना है।

हालांकि इसे लेकर हिंदी की बजाय कन्नड़ से उसका टकराव शुरू हो गया है। कर्नाटक से लगती सीमा के पास बड़ा इलाका ऐसा है, जहां केरल के लोग कन्नड़ बोलते हैं। खैर यह स्थानीय मामला है, जिसे वही के स्तर पर सुलझाया जाएगा। लेकिन केरल में मलयालम भाषा का मुद्दा बनना यह दिखाता है कि पहचान की राजनीति किस दौर में पहुंच गई है और भाजपा के हिंदुत्व व विकास के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए पार्टियां किस हद तक इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भाजपा की बढ़ती ताकत से आशंकित हैं। इसलिए वे भाजपा के हिंदुत्व और विकास के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए इस बार सिर्फ बांग्ला भाषा, अस्मिता व संस्कृति के नैरेटिव पर भरोसा नहीं कर रही हैं, बल्कि उसमें हिंदुत्व का तड़का भी लगा रही हैं। उन्होंने बुनियादी रूप से बांग्ला अस्मिता का मुद्दा बनाया है और बांग्ला भाषियों पर दूसरे राज्यों में हो रहे कथित उत्पीड़न को बार बार उठा रही हैं। लेकिन उनको इसकी सीमा का पता है क्योंकि यह मुद्दा उठाने के बावजूद पिछले सात-आठ साल में भाजपा 40 फीसदी वोट तक पहुंच गई है और यह बात ममता बनर्जी को चिंता में डाले हुए है। इसलिए उन्होंने इस बार हिंदुत्व का मुद्दा उसमें जोड़ दिया है।

उन्होंने न्यू कोलकाता टाउन में दुर्गा आंगन की नींव रखी है, जहां सरकार 332 करोड़ रुपए में सबसे बड़ा दुर्गा मंदिर बनवाएगी। इसी तरह सिलिगुड़ी में सबसे बड़े महाकाल मंदिर की नींव उन्होंने रखी। इस मंदिर पर करीब चार सौ करोड़ रुपए सरकार खर्च करेगी। इसकी नींव रखते हुए ममता ने जितनी बार 'हर हर महादेव' और 'रक्षा करो महादेव' के नारे लगाए उससे नरेंद्र मोदी के काशी में दिए जाने वाले भाषण याद आ गए। इससे पहले ममता दीघा में जगन्नाथ धाम बनवा चुकी हैं। उन्होंने दुर्गापूजा में पंडालों को पहले से ज्यादा पैसे बांटे हैं। सो, वे भाषायी और सांस्कृतिक अस्मिता के साथ हिंदुत्व का मुद्दा जोड़ रही हैं ताकि भाजपा का मुकाबला कर सकें। भाजपा महाराष्ट्र और गुजरात में ऐसे चुनाव लड़ती है।

उधर एमके स्टालिन पूरी तरह से भाषायी और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर भाजपा से टक्कर लेते दिख रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उनके प्रदेश की भौगोलिक स्थिति पश्चिम बंगाल से भिन्न है और जनसंख्या संरचना भी उससे अलग है। बंगाल से शेष भारत की भौगोलिक दूरी कभी भी वैसी नहीं रही है, जैसे विंध्य पार के राज्यों की है और ऊपर से बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी होने की वजह से ममता की मुश्किलें स्टालिन के मुकाबले ज्यादा हैं। बहरहाल, स्टालिन पूरी तरह से तमिल अस्मिता और भौगोलिक विभाजन पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका जवाब देने के लिए भाजपा के पास सीधे कोई मुद्दा नहीं है और इसलिए उसने अन्ना डीएमके से तालमेल करके उसको आगे किया। भाजपा का कुछ काम नई बनी पार्टी के नेता विजय भी कर सकते हैं। फिर भी बाकी राज्यों के मुकाबले तमिलनाडु का मामला अलग है। वहां भाजपा के पास भाषायी और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे का जवाब नहीं है।

असम की स्थिति तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के बीच वाली है। असमिया भाषा और अहोम संस्कृति का मुद्दा असम में केंद्रीय नहीं है। वहां भाजपा ने बड़ी होशियारी से सांप्रदायिकता के एजेंडे को घुसपैठ से जोड़ दिया है। वह जनसंख्या संरचना बदलने और घुसपैठियों द्वारा भारत की लाखों एकड़ जमीन कब्जा करने का मुद्दा बना कर लड़ रही है। ध्यान रहे असम में भी 30 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी है। तभी भाजपा घुसपैठ का मुद्दा बना कर 70 फीसदी हिंदुओं में से ज्यादातर का वोट लेने में कामयाब हो जाती है। इस काम में उसे असम गण परिषद और बीपीएफ या यूपीपीएल जैसी क्षेत्रीय पार्टियों का साथ मिल जाता है। इस बार कांग्रेस के गौरव गोगोई ने असम की सांस्कृतिक व जातीय पहचान का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियों से तालमेल किया है। इससे वहां की लड़ाई दिलचस्प हो गई है।

दूसरों के हाथों में इन चीजों को न रखें

किस्मत छोड़ देती है आपका साथ

वास्तु शास्त्र का महत्व हमारे जीवन में काफी ज्यादा बताया गया है। जब आप वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन सही तरीके से करते हैं तो ऐसे में इसके जो परिणाम होते हैं वे बेहद ही शुभ और समृद्ध होते हैं। वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी नकारात्मक हो सकते हैं। हमारे वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी चीजों के बारे में भी बताया गया है जिन्हें हमें गलती से भी खुद अपने हाथों से दूसरों के हाथों में नहीं देना चाहिए। जब आप इन चीजों की किसी और के हाथों में देते हैं तो आपकी किस्मत तक आपका साथ छोड़ देती है। केवल यहीं नहीं, जब आप इन चीजों को दूसरों के हाथों में देते हैं तो आपका पूरा जीवन गरीबी और दरिद्रता के बीच बीतता है।

दूसरों के हाथों में कभी न दें पीले सरसों

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको गलती से भी दूसरे के हाथ में पीले सरसों को नहीं देना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो इसका अर्थ होता है कि आप खुद अपने हाथों से मां लक्ष्मी को किसी और के हाथों में सौंप रहे हैं। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके जीवन में पैसों से जुड़ी समस्याओं का आना तय है।

दूसरों के हाथों में नमक देने से बचें

मान्यताओं के अनुसार आपको गलती से भी अपने हाथों से किसी और के हाथ में नमक न ही देना चाहिए और ना ही किसी से नमक लेना चाहिए। नमक का इस्तेमाल निगेटिव से लेकर पॉजिटिव चीजों के लिए किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार जब आप किसी से नमक लेते हैं तो ऐसे में आप उनके कर्ज के नीचे हमेशा के लिए दब जाते हैं वहीं, जब आप किसी को नमक देते हैं तो आपको आगे चलकर आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

गलती से भी किसी के हाथों में न डालें पानी

प्यासे को पानी पिलाना एक पुण्य का काम होता है लेकिन, आपको कभी भी किसी के हाथों में पानी डालकर उसे नहीं पिलाना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो इसके नतीजे सिर्फ आपके लिए ही बुरे नहीं होते हैं बल्कि सामने वाले के जीवन में भी काफी बुरा असर पड़ता है। जब आप इस तरह से किसी को पानी पिलाते हैं तो आप दोनों ही कर्ज के बोझ के नीचे दब जाते हैं। हाथों की जगह आपको पानी पिलाने के लिए बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

हाथों में न दें लाल मिर्च

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको गलती से भी कभी किसी के हाथों में अपने हाथ से लाल मिर्च नहीं देनी चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो आप दोनों के ही रिश्ते खराब हो सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि सामने वाले के साथ आपके

रिश्ते अच्छे बने रहे तो आपको गलती से भी लाल मिर्च अपने हाथों से सामने वाले के हाथों पर नहीं देना चाहिए।

बेहतर शेप देने के लिए आइब्रो जेल एक कमाल का विकल्प

सही आई मेकअप के बाद भी आइब्रोज के सही सेटिंग ना होने से लुक अधूरा नजर आता है। ऐसे में आइब्रो जेल कमाल कर सकता है। खासकर जिनके आइब्रोज के बाल छितरे हुए या एकसमान रूप से सेट नहीं होते। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि इस जेल की मदद से कैसे आप अपने आइब्रोज को भी स्टाइल कर सकते हैं।

सबसे पहले करें क्लीन

भौंहों पर किसी भी प्रकार का प्रोडक्ट लगाने से पहले उसे क्लीन करना जरूरी होता है। उन पर ऑयल या मेकअप नहीं होना चाहिए। इससे जैल ज्यादा अच्छी तरह काम करेगा और लंबे समय तक टिका रहेगा।

भौंहों को ऊपर की तरफ ब्रश करें

आइब्रो ब्रश की मदद से भौंहों को ऊपर की तरफ ले जाएं। इससे एक फुलर और डिफाइन लुक आएगा। अब आपको आइब्रो जैल लगाने का एक अच्छा आधार मिल चुका है। इससे भौंहें ज्यादा नेचुरल नजर आएंगी।

बस थोड़ा ही लें

भौंहों को सेट करने के लिए जैल की ज्यादा मात्रा लेने की जरूरत नहीं। इसे लगाने की शुरुआत नाक के पास कॉर्नर से करें। ऊपर की तरफ स्ट्रोक करते हुए जैल लगाना है, इससे भौंहें नेचुरल तरीके से सेट नजर आएंगी।

इस तरह शेप दें और सेट करें

जैल लगाने के बाद उसे मनचाहा शेप देने के लिए स्पूली की मदद से लगातार ब्रश करते रहें। लेमिनेटेड लुक के लिए आप ऐसे ही अपवर्ड डायरेक्शन मे छोड़ सकते हैं या फिर आप अपने भौंहों के शेप के साथ-साथ उसे सेट कर सकते हैं। यदि किसी हिस्से में आइब्रोज की ग्रोथ कम है तो जैल लगाने से पहले उन हिस्सों में आइब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करें।

कैस्टर ऑयल: भौंहों की ग्रोथ और थिकनेस को बढ़ाने के लिए जाना जाता है।
विटामिन ई: भौंहों को पोषण देता है और उनकी कंडिशनिंग करता है।
जोजोबा ऑयल: आइब्रोज के बालों को मजबूती देता और झड़ने से बचाता है।

जब तक ड्राई न हो जाए

वैसे तो जैल सूखने में ज्यादा वक्त नहीं लगता, लेकिन उसके सूख जाने तक भौंहों को हाथ ना लगाएं। इससे पूरे दिन आपके आइब्रोज सेट रहेंगे और उनका शेप भी नहीं बिगड़ेगा।

इस तरह के जैल होते हैं ज्यादा फायदेमंद

ऐसा जैल लें, जो आपके आइब्रोज को सेट करने के साथ-साथ उनकी ग्रोथ में भी मदद करे। इन तत्वों से युक्त जैल उन्हें फिनिशिंग भी देते हैं और पोषण भी।

किचन से जुड़े 7 सिंपल हैक्स

रसोई में ऐसे कई काम होते हैं, जिन्हें सही से करने में समय ज्यादा लग जाता है। इन चुटुर-पुटुर कामों की वजह से ही खाना बनाने में भी देरी हो जाती है। अगर आप वर्किंग हैं, तो टाइम मैनेज करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में किचन के कामों को निपटाना किसी टफ टास्क से कम नहीं होता। अगर आप भी किचन के छोटे लेकिन समय लेने वाले कामों से परेशान हो चुकी हैं, तो कुछ किचन हैक्स अपनाएं। घरेलू नुस्ख के इंस्टाग्राम पेज द्वारा इन नुस्खों को शेयर किया गया है। इनमें कई ऐसी टेक्निक हैं, जो रोजाना के किचन के मुश्किल कामों को चुटकियों में निपटा देंगे, चलिए आपको बताते हैं।

1- कटी हुई सब्जियां- सब्जियों को काटकर रख दो तो ये काली पड़ जाती हैं। सुबह जल्दी में सब्जी बनानी है, तो रात में ही सब्जी काटी जाती है। काली होने से बचाने के लिए कटी सब्जियों पर नींबू छिड़क दें या फिर इन्हें सिरके वाले पानी में डुबोकर रख दें। इससे ये फ्रेश बनी रहेंगी।

2- अदरक छीलना- अदरक के छिलके कई बार चाकू से आसानी से निकलते हैं। ऐसे में आप इसे चम्मच से छीलकर देखें। छिलके आसानी से निकल जाएंगे और समय कम लगेगा।

3- लहसुन का छिलका- लहसुन को छीलना किसी मुश्किल काम से कम नहीं है। खासतौर पर जब लहसुन छोटे कली वाले हो। इन्हें छीलने से पहले माइक्रोवेव में 15 मिनट के लिए रख दें। लहसुन मिनटों में छिल जाएंगे।

4- गीले चावल- चावल अगर गीले या चिपचिपे हो गए हैं, तो ऊपर से ब्रेड का एक स्लाइस रख दें। ब्रेड चावलों का गीलापन सोख लेगी और चावल खिले-खिले दिखेंगे।

5- बर्तन की काली पेंदी- बर्तनों की पेंदी यानी निचला हिस्सा अक्सर काला हो जाता है। अगर ऐसा हुआ है तो आलू को आधा काट लें और इस पर नमक लगाकर पेंदी पर रगड़ें। ऐसा करने से कालापन साफ हो जाएगा और बर्तन चमक उठेंगे।

6- हरी मिर्च से जलन- हरी मिर्च काटने के बाद अगर हाथों में जलन हो रही है, तो एलोवेरा जेल हाथों पर रगड़ें या फिर इसमें हाथ डुबोकर रखें। एलोवेरा जेल की ठंडक से मिर्च की जलन खत्म हो जाएगी।

7- गुड़ में नमी- गुड़ में अगर नमी आ जाए, तो ये खराब हो जाता है। ऐसे में आप गुड़ के डिब्बे में 3-4 आइसक्रीम की स्टिक डालकर रखें। ऐसा करने से गुड़ के डिब्बे में नमी बिल्कुल नहीं होगी।

हेयर फॉल रोकने के ये 'देसी नुस्खे'

बदलती लाइफस्टाइल, तनाव और खान पान की खराब आदतें, आजकल कुछ ऐसी वजहें हैं, जो बढ़ते हेयर फॉल का कारण बन रही हैं,लेकिन क्या आप जानते हैं इन सबसे अलग रोजमर्रा में की जाने वाली कई ऐसी छोटी-बड़ी गलतियां भी हैं, जो आपके झड़ते रूखे बालों की वजह बन रही है। जी हां, बालों का झड़ना रोकने के लिए हम अक्सर इतने बेताब रहते हैं कि बिना सोचे-समझे सोशल मीडिया पर दिखाया गया हर नुस्खा आजमाने लगते हैं। चिंता की बात यह है कि कई बार हमारी यही जरूरत से ज्यादा हेयर केयर बालों की असली दुश्मन बन जाती है। अनजाने में की गई छोटी-छोटी गलतियां स्कैल्प के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़कर हेयर फॉल रोकने की जगह और तेज कर देती है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि हर चमकती चीज सोना नहीं होती और हर इंटरनेट टिप्स आपके बालों के लिए सही नहीं होता। आइए जानते हैं वो 5 गलतियां और देसी नुस्खे, जो बालों की सेहत को बिगाड़कर हेयर फॉल का कारण बन जाते हैं।

हेयर फॉल का कारण बनती हैं ये 5 गलतियां

1 तेल का 'ओवर-यूज'

कई लोग यह सोचकर अपने बालों पर जरूरत से ज्यादा तेल लगा लेते हैं कि ऐसा करने से बालों की जड़े मजबूत होने की वजह से हेयर फॉल में राहत मिलेगी। जबकि हकीकत में, तेल को बालों में घंटों या रात भर लगाकर छोड़ने से स्कैल्प के रोमछिद्र (pores) बंद हो जाते हैं, जिससे डैंड्रफ और गंदगी जमा होने लगती है। जो हेयर फॉल का कारण बनती है। बालों में तेल लगाने का सही तरीका है कि तेल को सिर्फ बाल धोने से 2 घंटे पहले लगा लीजिए।

2 बहुत ज्यादा और जल्दी शैम्पू बदलना

हर हफ्ते नया 'एंटी-हेयरफॉल' शैम्पू ट्राई करना बालों की सेहत के लिए घातक हो सकता है। हर शैम्पू का पीएच लेवल और केमिकल कंपोजिशन अलग होता है। बार-बार बदलाव करने से बाल रूखे होकर टूटने लगते हैं।

3 गीले बालों में कंघी करना

बाल जब गीले होते हैं, तब वे अपनी सबसे नाजुक स्थिति में होते हैं। गीले बालों में कंघी

चलाने से उनकी जड़ें खिंचती हैं और वे आसानी से टूट जाते हैं। बालों को 80 प्रतिशत तक सूखने के बाद ही चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें।

4 सप्लीमेंट्स की 'सेल्फ-मेडिकेशन'

हेयर फॉल का कारण कई बार हार्मोनल या जेनेटिक भी हो सकता है, जिसे सिर्फ विटामिन ठीक नहीं कर सकते। ऐसे में बिना डॉक्टर की सलाह के बायोटिन या मल्टीविटामिन की गोलियां लेना शुरू कर देना, आपकी एक बड़ी गलती हो सकती है। हेयर फॉल रोकने के लिए डॉक्टरी सलाह लें।

5 गर्म पानी का इस्तेमाल

ठंड के मौसम में या रिलैक्स करने के लिए बहुत गर्म पानी से सिर धोना बालों के नेचुरल ऑयल को खत्म कर देता है, जिससे स्कैल्प ड्राई हो जाती है और बाल बेजान होकर गिरने लगते हैं।

दही समोसा चाट

समोसा एक ऐसा स्नैक है, जिसे हर कोई पसंद करता है। लेकिन जब इसी समोसे को मसालों, चटनी और ठंडी-ठंडी दही के साथ परोसा जाता है, तो यह बन जाता है, दही समोसा चाट। यह उत्तर भारत का एक बेहद लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है, जो चटपटा, मीठा और तीखा होने के साथ-साथ बनाने में भी काफी आसान है। अगर आपके घर में कुछ समोसे बच गए हैं या आप कुछ नया और मजेदार ट्राई करना चाहते हैं, तो यहां दी गई रेसिपी आपके बड़े काम आएगी।

सामग्री

2-4 तैयार समोसे (ताजे या बचे हुए)
दही का मिश्रण- 1 कप गाढ़ा दही (अच्छी तरह फेंटा हुआ), 1 चम्मच चीनी और चुटकी भर नमक
चटनियां- इमली की खट्टी-मीठी चटनी और हरी पुदीना-धनिया की तीखी चटनी
सब्जियां- बारीक कटा हुआ प्याज, उबले हुए काले चने या मटर, बारीक कटा हरा धनिया
मसाले- भुना हुआ जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक और चाट मसाला
गार्निश के लिए- बारीक बेसन की सेव, अनार के दाने

बनाने की विधि

सबसे पहले दही को एक कटोरे में लें। इसमें थोड़ी चीनी और नमक डालकर अच्छी तरह फेंट लें, ताकि यह क्रीमी और स्मूथ हो जाए। चाट में ठंडी दही का स्वाद बहुत अच्छा आता है। अब समोसों को हल्का गर्म कर लें ताकि वे कुरकुरे हो जाएं। अब एक चौड़ी प्लेट लें। इसमें दो समोसों को बीच से हल्का तोड़कर रखें। समोसों को बहुत ज्यादा मैश न करें, बस इतना तोड़ें कि मसाले और दही अंदर तक जा सकें। अगर आप चाहें तो समोसों के ऊपर थोड़े उबले हुए छोले या काले चने भी डाल सकते हैं।

अब समोसों के ऊपर खूब सारा फेंटा हुआ दही डालें। इसके बाद इसके ऊपर 2-3 चम्मच हरी चटनी और स्वादानुसार इमली की मीठी चटनी डालें। चटनियों की मात्रा आप अपने स्वाद के अनुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं। ऊपर से चुटकी भर लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और ढेर सारा चाट मसाला छिड़कें। ये मसाले चाट को वो असली स्ट्रीट स्टाइल स्वाद देते हैं।

अब इसके ऊपर बारीक कटा हुआ प्याज और हरा धनिया डालें। लास्ट में ढेर सारी बेसन की सेव और थोड़े से अनार के दाने डालकर सजाएं। आपकी गरमा-गरम और चटपटी 'दही समोसा चाट' तैयार है!

ड्राई स्किन के लिए नेचुरल और इफेक्टिव हैं ये टिप्स

सर्दियों में हम सभी की सबसे बड़ी समस्या होती है- रूखी और बेजान त्वचा। ठंडी हवाएं चेहरे की प्राकृतिक नमी छीन लेती हैं, जिससे स्किन खिंची-खिंची और रूखी लगने लगती है। हम बाजार से महंगी क्रीम तो ले आते हैं, लेकिन उनका असर कुछ ही देर रहता है। ऐसे में, आपके किचन में रखा 'दही' किसी महंगी क्रीम से कम नहीं है। आइए जानते हैं कैसे।

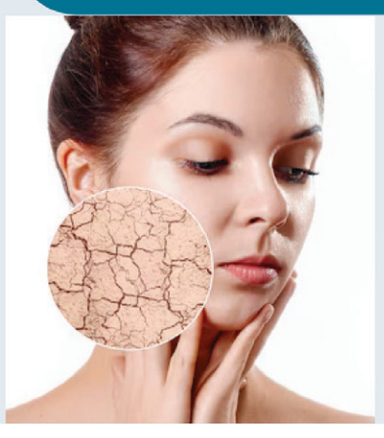

दही और शहद

अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा ड्राई है, तो यह पैक आपके लिए बेस्ट है। शहद एक नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है, यानी यह हवा से नमी खींचकर आपकी स्किन में लॉक करता है।
कैसे बनाएं : 2 चम्मच गाढ़े दही में 1 चम्मच शहद मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। चेहरा तुरंत सॉफ्ट हो जाएगा।

दही और बेसन

यह सदियों पुराना नुस्खा है जो कभी फेल नहीं होता। बेसन त्वचा की गंदगी साफ करता है और दही नमी देता है।
कैसे बनाएं: 2 चम्मच दही में 1 चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर हल्के हाथों से रगड़ते हुए धो लें। इससे टैनिंग भी दूर होती है।

दही और केला

सर्दियों में झुर्रियां ज्यादा दिखाई देती हैं। केला और दही मिलकर त्वचा में कसाव लाते हैं और उसे जवां बनाए रखते हैं।
कैसे बनाएं: आधे पके हुए केले को अच्छी तरह मैश करें और उसमें 1 चम्मच दही मिलाएं। इसे चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं। यह पैक स्किन को बहुत ही स्मूथ टेक्सचर देता है।

दही और ओट्स

सर्दियों में अक्सर डेड स्किन जमने से चेहरा काला पड़ने लगता है। ओट्स एक बेहतरीन नेचुरल स्क्रब है जो बिना रूखापन दिए सफाई करता है।
कैसे बनाएं: 2 चम्मच दही में 1 चम्मच पिसा हुआ ओट्स मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 2-3 मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें और फिर धो लें।

दही और ऑलिव ऑयल

अगर आपकी स्किन इतनी ड्राई है कि पपड़ी निकलने लगती है, तो दही के साथ तेल का कॉम्बिनेशन जादुई असर करेगा।
कैसे बनाएं: 1 चम्मच दही में आधा चम्मच ऑलिव ऑयल या बादाम का तेल मिलाएं। इसे रात को सोने से पहले लगाएं तो और भी अच्छा है। यह त्वचा को अंदर तक पोषण देता है।

हफ्ते में कम से कम दो बार इन घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करें। बस एक बात का ध्यान रखें, अगर आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है या आपको डेयरी प्रोडक्ट से एलर्जी है, तो इस्तेमाल करने से पहले हाथ पर एक पैच टेस्ट जरूर कर लें।

खबर-खास

20 फरवरी से बोर्ड परीक्षा शुरू, 115 केंद्रों के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण

महासमुन्द (समय दर्शन)। माध्यमिक शिक्षा मंडल छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। महासमुंद जिले में इस वर्ष कुल 115 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आज जिला मुख्यालय स्थित समन्वय केंद्र स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी शासकीय आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल में गोपनीय परीक्षा सामग्री का वितरण किया गया। जिले के सभी केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष यहां पहुंचे और आवश्यक सामग्री प्राप्त की। इस वर्ष जिले में कुल 23 हजार 563 विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1889 अधिक हैं। जिले में कुल 115 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 2 हाईस्कूल एवं 113 हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल हैं।

समन्वय केंद्र से वितरित की जा रही सामग्री में -उपस्थिति पत्रक मार्कशीटअभिरक्षा पंजी क्रमांक 1 एवं 2चेकलिस्ट क्रमांक 1 एवं 2नावनी पोस्टर व पूर्ण दिशा-निर्देश परीक्षा टाइम टेबल सीलबंद प्रश्न पत्र परीक्षा प्रभारी एन.के. सिन्हा ने बताया कि गोपनीय सामग्री को जिले के 115 केंद्रों से संबंधित 15 थानों एवं चौकियों में जमा कराया जाएगा।

पुलिस सुरक्षा में 13 बसों के माध्यम से सामग्री संबंधित थानों तक पहुंचाई जाएगी। इस वर्ष 10वीं के 12 हजार 839 एवं 12वीं के 10 हजार 724 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षा में किसी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए जिला स्तर पर 5 उड़नदस्ता दल और तहसील स्तर पर 5 उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं। प्रत्येक में चार-चार कर्मचारी रहेंगे, जो परीक्षा के दौरान सतत निगरानी करेंगे।

ग्राम टेढ़ाधौंरा की 23 वर्षीय सुप्रिया सिंह ने बढ़ाया जिले का मान

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले के ग्राम टेढ़ाधौंरा की 23 वर्षीय सुप्रिया ठाकुर ने सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ सुप्रिया सिंह श्रीनेत भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनी हैं। इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट में सुप्रिया से मुलाकात की और उपहार स्वरूप टैब प्रदान कर सम्मानित किया तथा बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सुप्रिया और उसके परिजनों को पुष्पाहार भेंटकर मुंह मीठा कराया और उनका हालचाल जाना।

कलेक्टर ने कहा कि सीडीएस जैसी कठिन एवं प्रतिस्पर्धी परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक हासिल करना न केवल सुप्रिया के परिवार, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से ही ऐसी सफलता संभव होती है और सुप्रिया ने यह सिद्ध कर दिखाया है। कलेक्टर ने सुप्रिया को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभाशीष प्रदान किया। साथ ही जिले के युवाओं को सुप्रिया से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस दौरान सुप्रिया के माता-पिता सहित अन्य परिजन मौजूद रहे। सुप्रिया सिंह ने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा मुंगेली तथा उच्च शिक्षा बिलासपुर के महाविद्यालय में हुई है। बचपन से ही उनके मन में देश सेवा का संकल्प था, जिसने उन्हें भारतीय सेना में अधिकारी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया। सुप्रिया की इस ऐतिहासिक सफलता पर जिलेभर में खुशी का माहौल है। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सहायक शिक्षक एलबी निलंबित

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द मिश्रा ने जांच में शिकायत प्रमाणित होने पर श्री देवेश कुमार देशमुख सहायक शिक्षक एलबी शासकीय प्राथमिक शाला खाड़ा जिला दुर्ग को छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 23 एवं नियम 03 के उप नियम-01 के खण्ड 01,02 तथा 03 का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुए श्री देशमुख को छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के नियम 01 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में श्री देशमुख का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी दुर्ग नियत किया गया है। साथ ही उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

रामायण प्रतियोगिता में रमेश मानस मंडली पेंड्री प्रथम

बिर्रा (समय दर्शन)। बम्हनीडीह विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सिलादेही (सोनबरसा पारा) में आयोजित अखंड नवधा रामायण की फाइनल प्रतियोगिता भक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में कुल 11 मानस मंडलियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रमेश साहू मानस मंडली, पेंड्री को ?10,001 नगद एवं शील्ड, द्वितीय पुरस्कार बालाजी मानस परिवार, कटही को ?7,001 एवं शील्ड, तृतीय पुरस्कार सुनीता मानस मंडली, उदयभाठा को ?5,001 एवं शील्ड, चतुर्थ पुरस्कार श्रीराम मानस मंडली, दर्राभाठा को ?4,001 एवं शील्ड, पंचम पुरस्कार उत्तरा मानस मंडली, आमगांव को ?3,001 एवं शील्ड, षष्ठ पुरस्कार सूर्यकांत मानस मंडली, बोरसी को ?2,001 एवं शील्ड, सप्तम पुरस्कार सुलेखा आदित्य, शिवरीनारायण को ?1,501 एवं शील्ड, जबकि अष्टम पुरस्कार फिरूराम आदित्य, नवम पुरस्कार मिनाक्षी मानस मंडली, धाना तथा दशम पुरस्कार दीपक मानस मंडली, किकिरदा को ?1,001 नगद एवं शील्ड प्रदान की गई।सभी प्रतिभागी मानस मंडलियों को शील्ड वितरण प्रेस क्लब उपाध्यक्ष जीवन साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आचार्य पं. खूबकेश्वर तिवारी (कंत महाराज), किरणलाल साहू, खेमराम , धनेश्वर साहू, शांतिलाल साहू,एम.एल. साहू, भोपाल साहू, चन्द्रप्रकाश साहू, रिंकु साहू, गौरीशंकर साहू, प्रकाश आदित्य, विशाल साहू, मायाराम साहू, सतीश कटकवार, रोहित साहू, प्रीतम, संजय साहू, दूधनाथ साहू, शेषनाथ साहू, गोरेलाल, आकाश, नागेंद्र साहू, राकेश केवट, चन्द्रहास साहू, राजू , प्रहलाद साहू, देवलाल साहू, अगेन साहू, खगेंद साहू, दादू साहू, संतोष साहू, नितेश साहू, लक्ष्मण केवट, पुरुषोत्तम साहू, योगेश साहू, खिलेश साहू ,दीपक साहू, राम केवट सहित बड़ी संख्या में समस्त मोहल्लावासी उपस्थित रहे।

पारिवारिक विवाद पर बड़े बेटे को पेट्रोल डालकर लगा दी आग, मां-पिता व छोटा बेटा गिरफ्तार

जशपुर (समय दर्शन)। जशुपर जिले के नारायणपुर में जमीन बिक्री में हिस्से की राशि मांगने पर उपजे पारिवारिक विवाद में एक पिता ने अपनी पत्नी व छोटे बेटे के साथ मिलकर अपने बड़े बेटे पर पेट्रोल डाल आग लगाकर की जान से मारने की कोशिश की। सूचना के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया कामना भगत, पति कोशल राम, उम्र 25 वर्ष, निवासी नारायणपुर के द्वारा दिनांक 15.02.2026 को चौकी होलीक्रॉस हॉस्पिटल, अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थिया के ससुर आरोपी शिवशंकर यादव के द्वारा दो वर्ष पूर्व जमीन बिक्री किया गया था, जिसमें प्रार्थिया के पति कौशल यादव उम्र 30 वर्ष के द्वारा अपने हिस्से की राशि को मांगा जा रहा था। घटना दिनांक 13.02.2026 को उक्त बात को लेकर विवाद बढ़ने पर ससुर शिवशंकर यादव, सास चन्द्रमुनी भगत एवं देवर अंकुश यादव ने एक राय होकर कौशल यादव को गाली-गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान पिता शिवशंकर यादव ने अपने ही पुत्र कोशल यादव को जान से मारने की नीयत से उसके ऊपर पेट्रोल छिड़ककर माचिस जलाकर फेंक दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे इलाज हेतु होलीक्रॉस हॉस्पिटल अंबिकापुर लाया गया है। घटना की सूचना पर चौकी हॉलीकास हॉस्पिटल, अंबिकापुर में बिना नंबरी अपराध पंजीबद्ध किया गया। चुंकि मामला थाना नारायणपुर क्षेत्रांतर्गत होने से प्रकरण अग्रिम कार्यवाही व विवेचना हेतु थाना नारायणपुर में प्राप्त होने पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। थाना नारायणपुर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपियों के द्वारा अपराध स्वीकार करने एवं साक्ष्य पाए जाने पर दिनांक 16.02.2026 को शिवशंकर यादव (पिता), चन्द्रमुनी भगत (माता)तथा अंकुश यादव (भाई) तीनों निवासी नारायणपुर, थाना नारायणपुर, जिला जशपुर (छ.ग.) को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

सांसद जांगड़े की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक सम्पन्न

विकास कार्यों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में केंद्र प्रवर्तित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए सांसद ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, पामगढ़ विधायक श्री शेषराज हरवंश, जैजैपुर विधायक श्री बालेश्वर साहू, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, सर्व नगर पालिका, नगर पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष, श्री संजय रामचंद्र अग्रवाल, श्री गुलजार सिंह, श्री संदीप यादव, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद श्रीमती जांगड़े ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने और समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जनता को आवागमन में असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा कार्य पूर्ण होने के बाद स्थल को पूर्व स्थिति में लाना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। सांसद श्रीमती जांगड़े ने बालिका विद्यालयों में शौचालय निर्माण को प्राथमिकता देते हुए कहा कि छात्राओं की सुविधा और स्वच्छता सर्वोपरि है। जहां निर्माण कार्य अधूरा है, उसे शीघ्र पूर्ण कर उपयोग हेतु उपलब्ध कराया जाए।

राशन दुकानों की संख्या बढ़ाने के संबंध में उन्होंने दूरस्थ एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न मिल सके। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत अधिक से अधिक मजदूरी मूलक कार्य स्वीकृत कर ग्रामीणों को व्यापक स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कृषि आरडीएसएस अंतर्गत लाइन विस्तार एवं ट्रांसफार्मर उन्नयन कार्यों की समीक्षा की गई। जांजगीर क्षेत्र में 132 केव्ही विद्युत उपकेंद्र की स्थापना के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया।

एमबीसीएल सीजन-2 का ताज हैदरी इलेवन गौरी नगर के नाम, खेल और भाईचारे की मिसाल बना टूर्नामेंट

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राजनांदगांव में आयोजित मुस्लिम बॉक्स क्रिकेट लीग (एमबीसीएल) सीजन 2 का समापन बेहद शानदार और ऐतिहासिक अंदाज में हुआ। रोमांच, जोश और खेल भावना से भरपूर इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमों ने भाग लिया, जिसमें प्रत्येक टीम ने 4-4 मुकाबले खेले। सभी मैच 7-7 ओवर के खेले गए। राजनांदगांव के मुस्लिम खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी टीमों के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए टूर्नामेंट को सफल बनाया।

पॉइंट टेबल के आधार पर सेमी फाइनलिस्ट टीमों का चयन किया गया। कड़े मुकाबलों के बाद फाइनल में पहुंची टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

फाइनल मुकाबला मुस्लिम फाइटर (गुड़ाखु लाइन) और हैदरी इलेवन (गौरी नगर) के बीच खेला गया, जिसमें आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक सस्पेंस बरकरार रहा। दर्शकों की धड़कनें थम सी गईं और सांसें अटक गईं, लेकिन रोमांचक मुकाबले में हैदरी इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एमबीसीएल सीजन-2 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैचों की अंपायरिंग जनाब नावेद अली एवं जनाब तहजीब अख्तर ने निष्पक्षता और सटीक निर्णयों के साथ सफलतापूर्वक निभाई।

फाइनल के अवसर पर आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में समाज के अनेक गणमान्य एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे। जामा मस्जिद के सदर जनाब रईस अहमद शकील सहित हाजी अब्दुल रज्जाक बडगुजर, हाजी राशिद खान, हाजी फारुख खान, हाजी तनवीर अहमद, हाजी जलालुद्दीन निर्बान, जनाब रशीद बेरिंग, जनाब आदिल झाड़ोदिया, जनाब अब्दुल कदीर अशरफी, जनाब आदिल रिजवी, जनाब नईम खान, जनाब सिराज रिजवी, जनाब सिद्दीक अहमद, जनाब इब्राहिम खान, जनाब सोहेल रिजवी, जनाब आसिम अहमद, जनाब इमरान अंसारी, जनाब रजा बाठिया एवं जनाब सकलैन सहित समाज के अनेक सम्मानित नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

टूर्नामेंट को सफल बनाने में जनाब तहजीब अख्तर, जनाब शादाब अली, जनाब साहिल अंसारी, जनाब अमीन खान (अमीन स्पोर्ट्स) तथा जनाब इमरान भाई (सिमना कंप्यूटर) का विशेष और सराहनीय सहयोग रहा।

यह आयोजन केवल एक क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक सौहार्द का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। एमबीसीएल सीजन-2 ने यह साबित कर दिया कि खेल प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ दिलों को जोड़ने का भी सबसे सशक्त माध्यम है। युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

साभर का शिकार करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 6 आरोपी गिरफ्तार; वन विभाग की बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

टारजन महेश

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिले में वन्यजीवों के दुश्मनों पर वन विभाग ने वज्रपात किया है। रेगालमुड़ा के जंगलों में एक साभर (जंगली हिरण) का अवैध शिकार कर उसका मांस बांटने की फिराक में लगे 6 आरोपियों को वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर रंगे हाथों धर दबोचा। विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के शिकारियों में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, वन विभाग को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि रेगालमुड़ा गांव के पास जंगल क्षेत्र में कुछ लोग वन्यजीव का शिकार कर मांस पकाने और बांटने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही वन मंडलाधिकारी के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने बिना वक्त गंवाए बताए गए स्थान पर दबिश दी, जहाँ आरोपी शिकार को ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहे थे।

वन अमले ने मौके से साभर के अवशेषों के साथ-साथ शिकार में इस्तेमाल किए गए धारदार हथियार और अन्य औजार भी बरामद किए हैं। आरोपियों ने वन्यजीव को बेदर्दी से मार डाला था और साक्ष्य मिटाने की कोशिश में थे, लेकिन विभाग की मुस्तैदी ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

पकड़े गए सभी आरोपी रेगालमुड़ा गांव के निवासी हैं, जिनकी पहचान इस प्रकार हुई है: कैलाश पटेल, पिता आसाराम, कौशल पटेल, पिता आसाराम, ताराचंद पटेल, पिता कैलाश पटेल, रामकुमार पटेल, पिता भागीरथी पटेल, परसराम बरिहा, पिता शोभाराम बरिहा, कार्तिकेश्वर सारथी, पिता महेश राम सारथी, कड़ी धाराओं में मामला दर्ज।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि संरक्षित वन्यजीवों का शिकार एक गैर-जमानती और गंभीर अपराध है, जिसमें लंबी कैद और भारी जुर्माने का प्रावधान है।

वन संपदा और जैव विविधता की रक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस गिरोह के तार किसी बड़े तस्कर गिरोह से जुड़े हैं।

— वन विभाग अधिकारी

वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या वन्यजीवों के शिकार की सूचना मिले, तो तुरंत विभाग को सूचित करें।

स्व. राजो देवी साहू स्मृति बैडमिंटन प्रतियोगिता आज

रायपुर (समय दर्शन)। चैलेंज कप बैडमिंटन प्रतियोगिता डाईट शंकर नगर रायपुर में खेली जा रही है । उद्घाटन कार्यक्रम में उप प्राचार्य श्रीमती अर्चना पाठक एवं ज्ञान सिंह साहू के मुख्य अतिथि में तथा डॉ सुशील जैन एवं ज्योति के विशेष आथित्य में संपन्न हुआ । इस प्रतियोगिता में डाइट की व्खायाता नीरजा सातपुते ने भी भाग लिया है। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता डाईट, सीटीई, एनआईओएस, एससीईआरटी एवम अवंती विहार के खिलाडिओ के बीच खेली जा रही है। अब तक महिला वर्ग में कु. वैष्णवी सामी एवं श्रीमती अन्नपूर्णा वर्मा के बीच फाइनल खेली जाएगी तथा पुरुष वर्ग में धर्मवीर वर्मा एवं ऋषभ शर्मा के बीच फाइनल खेला जाएगा तथा महिला वर्ग एवं पुरुष वर्ग के युगल मैच के सेमीफाइनल आज खेले जाएंगे। पुरुषों में विवेक एवं प्रवीण की जोड़ी सेमीफाइनल पहुंच चुकी है।इस प्रतियोगिता का फाइनल 17 तारीख को होगा, जिसके मुख्य अतिथि जुगल किशोर अग्रवाल एवं अध्यक्षता श्री ज्ञान सिंह साहू विशेष अतिथि के रूप में तोरण लाल साहू , बी एल. देवांगन उपसंचालक लोक शिक्षण छत्तीसगढ़, प्रहलाद दमाहे उप- संपादक स्वदेश ज्योति होंगे । इस प्रतियोगिता के संयोजक प्राचार्य युगल किशोर साहू एवं आयोजक छबिराम ज्ञान सिंह साहू ,भारतीय शिक्षा बोर्ड के राज्य प्रभारी एवं रिटायर्ड असिस्टेंट प्रोफेसर डाइट है जिनके मार्गदर्शन में 9 महिलाओं एवं 25 पुरुषों ने भाग लिया है। 17 फरवरी को फाइनल के पश्चात पुरस्कार वितरण किया जाएगा। एवं सभी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन के अलावा आयोजको की ओर से खिलाडिओ को नि:शुल्क शर्ट भी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत 77.51 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा अनुमोदित निर्धारित लागत दर अनुसार जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत अधोसंरचना निर्माण कार्य के लिए 77.51 लाख रूपए की अनुशंसा प्राप्त हुई है। अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग धमधा द्वारा प्रेषित तकनीकी स्वीकृति के आधार पर अनुशंसित कार्य को संपादित कराए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यो की संपादन कार्यकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत होगी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बी.के. दुबे से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखण्ड धमधा के ग्राम पंचायत दारगांव में खुजरी मार्ग से परेटन घर बिजली आफिस के पास एवं अमरीका नाई घर से पक्का सड़क की ओर सी.सी. रोड निर्माण और खजुरी मार्ग आवास पारा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 27 लाख 30 हजार रूपए, ग्राम पंचायत हरदी में सामदायिक भवन एवं लेखन पटेल घर से रामरतन साहू घर तक, मुख्य मार्ग से कोल्हू पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण हेतु 16 लाख 90 हजार रूपए, ग्राम पंचायत माटरा में जयराम गोड़ घर से पुनाराम साहू घर तक एवं रूमराम के घर से दानी साहू तक सी.सी. रोड निर्माण हेतु 5 लाख 20 हजार रूपए, ग्राम पंचायत गोता में दिलीप मार्केड घर से प्रकाश घर तक, गुरू घासीदास चौक से लेकर विष्णु प्रसाद के ब्यारा तक सी.सी. रोड निर्माण एवं विष्णु साहू के घर दिनेश साहू घर तक नाली निर्माण हेतु 07 लाख 17 हजार रूपए, ग्राम पंचायत पेण्ड्रीतराई में चेन महिलांग के घर से बोरिंग तक सी.सी. रोड निर्माण हेतु 02 लाख 60 हजार रूपए, ग्राम पंचायत बिरोदा में लक्ष्मीनाथ श्रीवास घर से प्राथमिक शाला बिरोदा तक एवं गोकुल महराज घर से कृष्ण मंदिर तक सी.सी. रोड निर्माण हेतु 05 लाख 20 हजार रूपए, ग्राम पंचायत मोहरेंगा में मनहरण सिन्हा घर से परदेशी सिन्हा घर तक, टीका यादव घर से लक्ष्मण सिन्हा घर तक नाली निर्माण एवं बड़े तालाब और डबरी तालाब में तालाब सौंदर्यीकरण निर्माण हेतु 07 लाख 94 हजार रूपए, ग्राम पंचायत खजरी में मेन रोड से खेलावन साहू के घर तक, गौकरण सतनामी घर से उधो प्रसाद के घर तक सी.सी. रोड निर्माण हेतु 05 लाख 20 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त निर्माण कार्य हेतु मानक मानचित्र एवं प्राक्कलन ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की वेबसाईट में उपलब्ध है।

जिले में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में 4 फरवरी से जन सुविधा शिविरों से बदल रही सुकमा की तस्वीर

सुकमा (समय दर्शन)। सुकमा जिले में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में 4 फरवरी से व्यापक स्तर पर जन सुविधा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान प्रशासन की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। अब तक कोंटा, छिंदगढ़ और सुकमा विकासखंडों के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में 23 शिविरों का सफल आयोजन किया जा चुका है, जिनमें कुल 40 गांवों को कवर किया गया है। यह जन-अभियान 28 फरवरी तक सतत रूप से जारी रहेगा।प्रशासन की सक्रिय मॉनिटरिंगइन शिविरों की विशेषता यह है कि जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी स्वयं उपस्थित रहकर शिविरों का निरीक्षण कर रहे हैं। योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी समीक्षा की जा रही है तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभ प्रदान किया जा रहा है।

इससे पारदर्शिता और प्रभावशीलता दोनों सुनिश्चित हो रही हैं।एक ही स्थान पर अनेक सुविधाएँजन सुविधा शिविरों में ग्रामीणों को निम्नलिखित सेवाएँ एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। आधार अपडेट एवं नवीन आधार पंजीयन, नवीन आयुष्मान कार्ड निर्माण, आभा आईडी जनरेशन, वय वंदन योजना कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र जारी एवं संशोधन, किसान पंजीयन एवं अपडेशन, ई-केवाईसी तथा अन्य विभिन्न हितग्राहीमूलक सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

खबर-खास

विद्यार्थियों की सर्वांगीण विकास ही शिक्षक के लिए बेहतर उपहार है - अजय साहू

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ अजय कोचिंग क्लासेस चीजगांव में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत एवं आशीर्वाद समारोह हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती के छायाचित्र का पूजन-अर्चन एवं वंदना के साथ हुआ। कक्षा नवमी एवं दसवीं के विद्यार्थियों के सहयोग से विदाई आयोजित किया गया। कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों का तिलक लगाकर उज्जवल भविष्य के लिए कामनाएं की गई। कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों ने अपने-अपने अनुभवों व विचारों को साझा करते हुए संस्था में व्यतीत समय को याद किया । कार्यक्रम को आशीर्वचन के रुप संबोधित करते हुए संस्था के शिक्षक अजय साहू ने कहा कि शिक्षक को उपहार देना हो तो बेहतर परिणाम से बड़ा उपहार नहीं है। दसवीं एवं बारहवीं के बच्चों को तनावमुक्त परीक्षा देने की बात कही। बच्चे बोर्ड परीक्षा के नियमों का पालन करते हुए परीक्षा में शामिल होवे। इस अवसर पर कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के समस्त विद्यार्थियों को शिक्षक अजय साहू ने विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं एवं जीवन में सफलता हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। कक्षा नवमी एवं दसवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा बारहवीं के सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह स्वरूप डायरी और पेन भेंट किया। बारहवीं के विद्यार्थियों ने भी संस्था प्रमुख अजय साहू को भेंट प्रदान किया।

जिला स्तरीय जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन का आयोजन दिनांक 18 फरवरी 2026 को

बेमेतरा (समय दर्शन)। श्रम मंत्री छत्तीसगढ़, शासन श्रम विभाग के द्वारा दिनांक 12 फरवरी 2026 को श्रम विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान 05 जिलो में विभाग द्वारा जनसंवाद /श्रमिक सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया गया। उक्त संबंध मे दिनांक 18 फरवरी 2026 को जिला पंचायत बेमेतरा के प्रांगण में जिला स्तरीय जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल एवं असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत श्रमिको से जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन के माध्यम से श्रमिक के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की राशि का भुगतान एवं श्रमिकों को योजना के संबंध में जानकारी प्रदान किया जावेगा।

होली त्योहार के मद्देनजर पुलिस की कार्यवाही, चार आरोपी सहित तीन अपचारी बालक गिरफ्तार

दुर्ग (समय दर्शन)। होली त्यौहार के पूर्व सघन कार्रवाई के मद्देनजर खुर्शीपार थाना पुलिस ने धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने वाले 04 आरोपी एवं 03 अपचारी बालक गिरफ्तार किया गया है। सार्वजनिक स्थलों पर आम नागरिकों को भयभीत करने की सूचना पर त्वरित घेराबंदी कर गिरफ्तारी की गई है। अलग-अलग थानों में आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियार जप्त कर वैधानिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय प्रस्तुत किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार आगामी होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले में चाकूबाजी एवं धारदार हथियार लेकर आमजन को भयभीत करने वालों के विरुद्ध विशेष निगरानी एवं सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को थाना खुर्सीपार, पुरानी भिलाई एवं छावनी पुलिस को पृथक-पृथक सूचना प्राप्त हुई कि कुछ युवक एवं अपचारी बालक सार्वजनिक स्थलों पर धारदार हथियार दिखाकर आम नागरिकों को डराने-धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना पर संबंधित थाना पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की कार्रवाई की गई। आरोपियों को पकड़ा जाकर उनके कब्जे से धारदार हथियार जप्त किए गए।

हिंदू जागरण मंच ने पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि, दो मिनट का मौन रखकर किया नमन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के भारत माता चौक में शनिवार को हिंदू जागरण मंच जिला इकाई द्वारा पुलवामा हमले में शहीद जवानों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता और नागरिक शामिल हुए।

वर्ष 2019 में पुलवामा (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों को उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा के दौरान भारत माता चौक देशभक्ति के नारों से गूंजता रहा। कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, वंदे मातरम्श् और जब तक सूरज चांद रहेगा, भारत माता के सपूतों का नाम रहेगा जैसे नारों के साथ शहीदों के साहस और बलिदान को याद किया।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पुलवामा के वीर

शहीदों का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले जवानों का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। पदाधिकारियों ने युवाओं से राष्ट्रभक्ति की भावना को जीवन में उतारने तथा देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव तैयार रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को स्मरण किया गया। अंत में सभी ने राष्ट्र की रक्षा और सामाजिक एकता के लिए समर्पित रहने का संकल्प लिया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुशील लड्ढा, प्रवीण शर्मा, दिनेश झूलन, प्रभात गुप्ता, हेमलाल ढीमर, राज बहादुर सिंह, आशीष तिवारी, मनोज गोलछा, भोला यादव, मौसमी शर्मा, महेंद्र जंघेल, हरीश भानुशाली, रोहित यादव, रोहित सिन्हा, अभय सिन्हा, जसराज राठौर, राय साहब, हरीश गांधी, नीलू साहू, जुगल गुप्ता, महेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने ग्राम ठेमाबुजुर्ग स्थित तांदुला नदी में पहुँचकर बोरी बंधान के कार्य में बटाया हाथ

बालोद (समय दर्शन)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा एवं जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने आज डौण्डी विकासखण्ड के वनांचल के ग्राम ठेमाबुजुर्ग में तांदुला नदी पर नीर चेतना अभियान के अंतर्गत चल रहे बोरी बंधान के कार्य में अपना हाथ बटाया। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा सहित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्राची ठाकुर सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एक साथ बस में सवार होकर ग्राम ठेमाबुजुर्ग स्थित तांदुला नदी में पहुँचे थे। इस दौरान सभी अधिकारियों ने ठेमाबुजुर्ग के तांदुला नदी में नीर चेतना अभियान के अंतर्गत चल रहे बोरी बंधान के कार्य में सहभागिता निभाई। कलेक्टर सहित सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ पैदल चलकर जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्य में जन भागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश भी दिया।

पीएमश्री जेएनवी सुकमा-2 में प्रेरणा उत्सव 2026 का भव्य आयोजन

नोडल विद्यालय जेएनवी सुकमा-1 के मार्गदर्शन में जिलेभर के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता

सुकमा (समय दर्शन)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत नवोदय विद्यालय समिति द्वारा संचालित जिला स्तरीय प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन नोडल विद्यालय पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय सुकमा-1 के मार्गदर्शन में पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय सुकमा-2 में किया गया, जिसमें जिले के विद्यार्थियों की व्यापक एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। इस कार्यक्रम में 18 विद्यालयों के पंजीकृत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सुकमा जिले के समस्त सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों, राज्य शासन के शासकीय विद्यालयों, निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों तथा केंद्रीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार, नवोदय विद्यालय समिति के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) सुकमा जीआर मण्डावी तथा महिला एवं बाल विकास अधिकारी शिवदास नेताम उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास की महत्ता बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव रखते हैं। विशिष्ट अतिथियों के रूप में बलराम जाटव (प्रधानाचार्य, पीएमश्री जेएनवी सुकमा-02) एवं संजय कुमार मंडल (प्रधानाचार्य, पीएमश्री जेएनवी सुकमा-01) की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की शोभा और बढ़ गई।

प्रेरणा उत्सव 2026 का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में निहित प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें सही दिशा प्रदान करना, नेतृत्व क्षमता, सृजनात्मकता, नैतिक मूल्यों एवं जीवन कौशल का विकास करना तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करना है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम भावना और नवाचार की सोच को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाता है।

प्रेरणा कार्यक्रम की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार विद्यार्थियों के लिए विभिन्न कौशल आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में योग्य निर्णायकों द्वारा साक्षात्कार एवं प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों का चयन किया गया।

खेल का मैदान भी जीवन की मुख्य कार्यशाला है - प्रखर अग्रवाल

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। ग्राम लोहारपाली में युवाओं द्वारा आयोजित भव्य कबड्डी प्रतियोगिता उत्साह और उमंग के माहौल में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में क्षेत्र के कई गांवों की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखर अग्रवाल जिला महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा एवं संस्थापक, संगम सेवा समिति उपस्थित रहे। उनके आगमन पर आयोजकों और ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रखर अग्रवाल ने खिलाड़ियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल का मैदान भी जीवन की मुख्य कार्यशाला है। खेल से ही स्वस्थ मन का निर्माण होता है और स्वस्थ मन से ही स्वस्थ जीवन की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और संघर्षशीलता विकसित करता है। ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम बनती हैं।उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए खेल खिलाड़ी जिंदाबाद के नारों के बीच खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

साथ ही आश्वासन दिया कि संगम सेवा समिति के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं एवं ग्रामीणों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, चाहे वह खेल सामग्री की व्यवस्था हो या अन्य सामाजिक कार्य।प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस आयोजन ने न केवल युवाओं में खेल के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया, बल्कि सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत किया।

कार और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में एक की मौत

गरियाबंद (समय दर्शन)। नेशनल हाईवे 130ष्ट पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई।हादसा ग्राम जोबा से गरियाबंद की ओर आने वाले मार्ग पर,जोबा से पहले हुआ,जहां कार और मोटरसाइकिल के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान हरकू राम चनाप (उम्र लगभग 60 वर्ष), निवासी जोबा के रूप में हुई है।बताया गया कि हरकु सुबह लगभग 10 से 11 बजे के बीच अपने गांव से गरियाबंद की ओर अपनी मोटरसाइकिल से आ रहा था।इसी दौरान सामने से आ रही कार सीजी 04 एन आर 6726 से उनकी मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पर पलट गई।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल हरकू राम को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।फिलहाल पुलिस कार चालक की स्थिति, वाहन की गति और दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है।

मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक वर्ष की अवधि के लिए संरक्षित क्षेत्र घोषित

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला प्रशासन ने मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बोरई-रसमड़ा जिला दुर्ग के औद्योगिक परिसर को एक वर्ष की अवधि के लिए 'संरक्षित क्षेत्र' घोषित कर दिया है। यह आदेश छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 26 (1) (2) के तहत जिला मजिस्ट्रेट को प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जारी किया गया है।

इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग, उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा दुर्ग तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग द्वारा भी अनुसूची में दर्शित क्षेत्र को संरक्षित क्षेत्र घोषित करने की अनुशंसा की गई थी। प्राप्त अनुशंसाओं के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मेसर्स जय बालाजी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड बोरई रसमड़ा की संलग्न अनुसूची को एक वर्ष की अवधि के लिए संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। मानचित्र को आदेश का अभिन्न अंग माना जाएगा। संरक्षित क्षेत्र में केवल विधि द्वारा अधिकृत व्यक्तियों एवं आवेदक द्वारा प्रवेश करने के लिए अधिकृत व्यक्तियों को छोड़कर अन्य व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

मुयमंत्री ने दिलीप ठाकुर को छीसगढ़ गौरव रत्न से किया समानित

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर तथा सचिव, जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर को छत्तीसगढ़ शासन के मुखिया विष्णु देव साय द्वारा 'छत्तीसगढ़ गौरव रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें वर्षों से किए जा रहे सतत सेवा, चिकित्सा एवं रचनात्मक सामाजिक कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

दिलीप ठाकुर द्वारा आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग अंतर्गत संचालित विज्ञान विकास केंद्र तथा एससी/एसटी कन्या छात्रावास परिसर, दुर्ग की छात्राओं के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं मार्गदर्शन शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। इसके साथ ही सेंट्रल जेल के चिह्नित बंदियों को चिकित्सा सेवाएं, पुलगांव नाका स्थित समाज कल्याण विभाग के वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण, मार्गदर्शन एवं दवाइयों का वितरण भी निरंतर किया गया। आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यों में अग्रणी श्री सत्य साईं सेवा समिति के तत्वावधान में ग्रामीण अंचलों में विशाल मेडिकल कैंप आयोजित कर चिह्नित नेत्र रोगियों को चश्मे उपलब्ध कराए गए। साथ ही सेवा एवं रचनात्मक कार्यों के अंतर्गत अनेक दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण दिलाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। गर्मी के मौसम में प्याऊ सेवा के माध्यम से वर्षों से उल्लेखनीय योगदान दिया जा रहा है। कोरोना महामारी के संक्रामक काल में जरूरतमंदों को मास्क, सेनेटाइज़र एवं राशन उपलब्ध कराने में उनके प्रशंसनीय योगदान के लिए जिला प्रशासन द्वारा भी पूर्व में सम्मानित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी उन्हें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा मूल्यवान सेवा एवं रचनात्मक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष द्वारा राज्य स्तरीय 'गुरु रत्न' एवं 'छत्तीसगढ़ सेवा रत्न' सम्मान से भी अलंकृत किया जा चुका है।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I RAJESHWARI JEERLA MURTHY W/o JEERLA SHRINIVAS RAMESH MURTY (Old Name) resident of SHA 01 B HOSPITAL SECTOR BHILAI, Dist. Durg, C.G. have changed my old name RAJESHWARI JEERLA MURTY W/O JEERLA SHRINIVAS RAMESH MURTY, so in future I should be recognized by my new name that is RAJESHWARI JEERLA MURTY W/O JEERLA SHRINIVAS RAMESH MURTY in all Government and other documents.

RAJESHWARI JEERLA MURTY
Add. - SHA 01 B HOSPITAL SECTOR BHILAI, Dist. Durg, C.G.

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I JEERLA SHRINIVAS RAMESH MURTHY S/0 J.V.R. MURTY (Old Name) resident of SHA 01 B HOSPITAL SECTOR BHILAI, Dist. Durg, C. G. have changed my old name JEERLA SHRINIVAS RAMESH MURTY S/o J.V.R. MURTY, so in future I should be recognized by my new name that is JEERLA SHRINIVAS RAMESH MURTY S/o J.V.R. MURTY in all Government and other documents.

JEERLA SHRINIVAS RAMESH MURTY Add. - SHA 01 B HOSPITAL SECTOR BHILAI, Dist. Durg, C. G.

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202602101500009/अ-6/2025-26 पाटन, दिनांक 11.02.2026, ग्राम तेलीगुण्डरा, प.ह.नं. 38 तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ईश्वर कुमार साहू पिता स्व. नरेश कुमार साहू निवासी ग्राम खट्टी तह.अभनपुर जिला रायपुर द्वारा मौजा ग्राम तेलीगुण्डरा प.ह.नं. 38 तह.पाटन जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 1397/1,1691/1 रकबा क्रमशः 0.15, 0.04 हे.भूमि गणेश, धनेश, नरेश, रमेश पिता शिवलाल, गैंदी बेवा शिवलाल के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि में से मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर उनके वैध वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत फौती नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनावाई दिनांक 03.03.2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायायलय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 11/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी जिला दुर्ग
(छत्तीसगढ़)

दूरभाष क्रमांक 0788-2322009 Email collector-durg.cg@gov.in

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

भारत की जनगणना 2027 कार्य के लिए जिला जनगणना कार्यालय दुर्ग एवं समस्त जनगणना चार्ज तहसीलों एवं नगरीय निकायों में तकनीक सहायक के 27 पद एवं मल्टी टास्किंग स्टॉफ के 05 पदों पर आउटसोर्सिंग से भर्ती हेतु इच्छुक प्लेसमेंट एजेन्सी/फर्म के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा दिनांक 13.02.2026, बिड संख्या **GEM/2026/B/7238819** के द्वारा आमंत्रित की गई है।

बिड दस्तावेजों/निविदा प्रपत्र में निर्धारित शर्तों एवं नियमों के अनुसार समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए बिड बंद होने की विधि दिनांक 06.03.2026 समय 3.00 बजे तक भर लेवें। निविदा की जानकारी दुर्ग जिले आधिकारिक वेबसाईट **www.durg.gov.in** पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए जनगणना शाखा जिला दुर्ग में सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रभारी अधिकारी जनगणना
दुर्ग

जी-252606724/2

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की सुनीं समस्याएं

जनदर्शन में 45 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा(समय दर्शन)। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के रसायन विभाग में आयोजित हुआ अभिभावक-शिक्षक-छात्र मिलन समारोह

रायपुर (समय दर्शन)। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करना, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना ,तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सकारात्मक माहौल तैयार करना है।

छात्रों के परीक्षा परिणाम, उपस्थिति और कक्षा में व्यवहार के बारे में अभिभावकों को सूचित किया गया। प्रो.डॉ मानस कांति देब ने शिक्षकों और अभिभावकों के बीच खुले संवाद के माध्यम से छात्र की प्रगति पर चर्चा पर ज़ोर डालते हुए कहा हमारा सुझाव और प्रतिक्रिया छात्रों की बेहतरी के लिए अभिभावकों से फीडबैक प्राप्त करना और उनकी चिंताओं का समाधान करना।

विकास की पहचान छात्रों की प्रतिभा,रुचियों और कौशलों को प्रोत्साहित करना,साथ ही सुधार के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना।

यह समारोह घर और संस्थान के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में काम

करता है, जो छात्रों की सफलता में सहयोग और भागीदारी की संस्कृति को बढ़ावा देता है। आगे बताया की रसायन अध्ययन शाला में अत्याधुनिक अनुसंधान और शिक्षण प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं। यहाँ प्रमुख रूप से विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान , कार्बनिक, अकार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान की प्रयोगशालाएं शामिल हैं। विभाग में उपलब्ध मुख्य प्रयोगशालाएं और सुविधाएं

अनुसंधान प्रयोगशालाएँ : नैनोमैटेरियल, ड्रग डिजाइन, सिंथेटिक केमिस्ट्री, और पर्यावरण रसायन विज्ञान के लिए समर्पित।

स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रयोगशाला: इसमें **FTIR** और प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोमेट्री की सुविधा है।

विश्लेषणात्मक उपकरण प्रयोगशाला इसमें एटॉमिक एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोमेट्री उपलब्ध है।

माइक्रोस्कोपी लैब प्रतिदीप्ति सूक्ष्मदर्शी सुविधा। विद्युत रासायनिक विश्लेषण लैब पोटेंशियोस्टेट के साथ, जो चक्रीय वोल्टामेट्री और क्रोनोएम्पेरोमेट्री जैसी तकनीकों का समर्थन करती है।

सामान्य प्रयोगशालाएँ: स्नातकोत्तर व्यावहारिक कक्षाओं के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाये स्थापित है। हमारी विश्वविद्यालय में रसायन अध्ययन शाला उच्च शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र है, जो रूस्ष्और क्द्रष्ठ कार्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग पर्यावरणीय रसायन विज्ञान, नैनोमटेरियल्स, और औषधीय जैव-अणुओं के संयुग्मन में अनुसंधान के लिए जाना जाता है। विभाग हश्वञ्ज/द्व ञ्ञश्व उत्तीर्ण छात्रों को अनुसंधान और प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करता है। रूस्ष्. (रसायन विज्ञान) और **Ph.D**. कार्यक्रम, जिसमें कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक और विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

अनुसंधान के क्षेत्र पर्यावरणीय रसायन विज्ञान, कैंसर विरोधी/ट्यूमर विरोधी गतिविधि के लिए त्स्क्रऔर दवा डिजाइनिंग, सतह विज्ञान, और नैनोमटेरियल्स। सुविधाएं और उपलब्धियां यह विभाग 500 से अधिक **PhD**डिग्रियां प्रदान कर चुका है। इस वर्ष भी 2 छात्रों का चयन हुआ है।साथ ही, यह **NET/GATE** की तैयारी के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल प्रदान कर रहा है।

संक्षिप्त-खबर

चांवल नहीं मिलने से ऊंचे दामो पर चांवल खरीदने विवश ग्रामीण , ग्रामीण को इस माह नहीं मिला चांवल ग्रामीण परेशान

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत सेलुद के सरपंच खिलेश मारकंडे ने कहा कि ग्राम पंचायत सेलुद के अंतर्गत संचालित राशन दुकान में आबंटन केन्द्र से चावल उपलब्ध नहीं राने के कारण माह फरवरी के 16 तारीख हो जाने के बाद भी चांवल नहीं मिल पाया है ।प्रत्येक माह नियत समय पर चांवल मिल जाने के कारण अधिकांश ग्रामीण राशन दुकान के चांवल से ही खाना बनाने निर्भर रहते है । और घर में धान या चावल नहीं रखते है। पुर्णतः राशन दुकान के चांवल पर निर्भर रहते है लेकिन इस माह 16 तारीख 2026 तक चावल नहीं मिलने से ग्रामीणों को खाना बनाने चांवल नहीं मिल रहा है और परेशानी का सामाना कर रहे है ।कुछ ग्रामीणों दुकानों से ऊंचे दामो पर चांवल लेकर खाना बनाने विवश हो गये ।विभाग द्वारा सेलुद में शीघ्र आबंटन दिया जाय और उसका वितरण भी शीघ्रता शीघ्र किया जाय ।जिससे ग्रामीणों को खाना बनाने की असुविधा न हो।

महाशिवरात्रि पर अमलीडीह में टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ, डुमरडीह बनी विजेता

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक अंतर्गत ग्राम अमलीडीह में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में युवा सरपंच रवि सिंगौर शामिल हुए।

मुख्य अतिथि सरपंच रवि सिंगौर ने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा दोनों टीमों को शुभकामनाएं दीं। उनके द्वारा डुमरडीह एवं भाठागांव टीम के बीच टॉस करवाया गया। मुकाबला रोमांचक रहा, जिसमें डुमरडीह टीम ने 6 ओवर में 80 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भाठागांव की टीम निर्धारित स्कोर तक नहीं पहुंच सकी और इस प्रकार डुमरडीह टीम विजेता घोषित हुई। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि गोकुल साहू, सरपंच प्रतिनिधि गजेंद्र मानिकपुरी, कामदेव कौसले (पूर्व सरपंच), खेमचंद जोशी (पंच), रग्गू ढीवर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।कार्यक्रम उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ।

पूर्व विधायक ओंकार शाह की धर्मपत्नी राजदुलारी शाह का निधन

गरियाबंद (समय दर्शन)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित छुरा राज परिवार पर शोक का गहरा साया छा गया है। बिन्द्रानवागढ़ के पूर्व विधायक ओंकार शाह की धर्मपत्नी राजदुलारी शाह का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार सोमवार को छुरा में किया गया।उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राजदुलारी शाह एक सामाजिक,धार्मिक एवं अत्यंत लोकप्रिय समाजसेवी महिला के रूप में जानी जाती थीं।उन्होंने वर्षों तक सामाजिक कार्यों,धार्मिक आयोजनों और जनसेवा में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके सादगीपूर्ण स्वभाव और सेवा भावना के कारण वे सभी वर्गों में सम्मानित थीं। उनके देहान्त होने पर।क्षेत्र जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने उनके निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

बसना में अलौकिक शिव-पार्वती विवाह: भक्ति के रंग में रंगा बसना नगर, उमड़ा जनसैलाब

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के सानिध्य में संपन्न हुआ शिव-शक्ति का दिव्य गठबंधन की जीवंत झांकी

बसना (समय दर्शन)। महाशिवरात्रि के पावन और पुनीत अवसर पर बसना स्थित 'आदि योगी शिव मंदिर' एक बार फिर आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बन गया। यहाँ भगवान भोलेनाथ और जगत जननी माता पार्वती का विवाहोत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं रहा, बल्कि आस्था का एक ऐसा महाकुंभ बन गया जिसने समूचे अंचल को 'शिवमय' कर दिया। इस ऐतिहासिक और अलौकिक प्रसंग के मुख्य साक्षी बने लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल, जिनके नेतृत्व में सनातनी परंपराओं की भव्यता देखते ही बन रही थी।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुरूप, महाशिवरात्रि शिव और शक्ति के मिलन की वह महानिशा है, जो सृष्टि के सृजन का आधार है। इस अवसर पर आदि योगी मंदिर में उत्सव की शुरुआत पूर्ण विधि-विधान के साथ हुई। विवाह की रस्मों को जीवंत करते हुए माता पार्वती और भगवान शिव के स्वरूपों को हल्दी और मेहंदी लगाई गई। मंदिर प्रांगण में उपस्थित मातृशक्ति द्वारा गाए जा रहे मंगल गीतों और सोहरों ने वातावरण में एक अद्भुत मिठास भर दी। इसके पश्चात, विद्वान पंडितों के सानिध्य में गूँजते ओजस्वी वेदोक्त मंत्रोच्चार के बीच जब शिव-शक्ति का गठबंधन संपन्न हुआ, तो वहां उपस्थित हजारों श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इस वर्ष के महोत्सव की सबसे हृदयस्पर्शी और विशेष चर्चा का विषय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के परिवार की भक्ति रही। महोत्सव में विधायक जी के बड़े सुपुत्र सुमित अग्रवाल ने भगवान शिव और उनकी पुत्रवधू सोनिया अग्रवाल ने माता पार्वती के अलौकिक स्वरूप को धारण कर साक्षात देव-विवाह की प्रतीति कराई। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपनी धर्मपत्नी के साथ देवाधिदेव महादेव और मां शक्ति की विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि शिव और शक्ति का यह विवाह पुरुष और प्रकृति के एकाकार होने का प्रतीक है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस दिव्य विवाह का साक्षी बनने और बाबा की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। महादेव से मेरी यही प्रार्थना है कि बसना क्षेत्र का प्रत्येक परिवार खुशहाल रहे और प्रदेश में शांति व समरसता का वास हो।

विवाह के लिए शिव बारात निकली ।'शिव बारात' ने तो बसना की सड़कों पर भक्ति का उफान ला दिया। इस भव्य शोभायात्रा में शिवगणों, नंदी, भूत-पिशाच और विभिन्न देवी-देवताओं की मनमोहक झांकियों ने हर किसी का मन मोह लिया। ढोल-नगाड़ों की थाप, शंखध्वनि और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से आकाश गुंजायमान हो गया। शिव-पार्वती के रूप में सुसज्जित विधायक परिवार के सदस्यों की छवि निहारने के लिए सड़कों के दोनों ओर श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ पड़ा।

लोगों ने अपने घरों की छतों और द्वार से पुष्प वर्षा कर बारात का भावपूर्ण स्वागत किया। आदि योगी शिव मंदिर में आयोजित यह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन था, बल्कि इसने सामाजिक एकता और समरसता की एक नई मिसाल पेश की।

जामगांव आर बिजली कार्यालय में पेयजल संकट, 37 गांवों के उपभोक्ता परेशान

पाटन (समय दर्शन)। जामगांव आर स्थित बिजली कार्यालय में इन दिनों पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। कार्यालय परिसर में लगा बोरवेल का पानी पीने योग्य नहीं है, जिसके कारण कर्मचारियों और यहां आने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, कार्यालय में कार्यरत स्टाफअपने घर से पीने का पानी लेकर आने को मजबूर हैं। गर्मी के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जब बोरवेल का पानी भी सूख जाता है। ऐसे में कार्यालय में पेयजल की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाती है।

यह कार्यालय क्षेत्र के 37 गांवों के लिए बिजली संबंधी कार्यों का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण बिजली बिल, कनेक्शन, शिकायत और अन्य कार्यों के लिए यहां पहुंचते हैं। लेकिन पानी की आवश्यकता होने पर उन्हें पास स्थित सेवा सहकारी समिति से पानी लाना पड़ता है। विभाग का मैदानी अमला भी जब मुख्यालय पहुंचता है तो उन्हें भी पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। कर्मचारियों और ग्रामीणों ने कार्यालय परिसर में नए बोरवेल के खनन की मांग की है, ताकि स्थायी रूप से पेयजल की समस्या का समाधान हो सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक नई जल व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक अस्थायी रूप से टैंकर या फिल्टरयुक्त पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे कार्यालय आने वाले लोगों को राहत मिल सके।

मतदाता सूची में विसंगतियों के निराकरण हेतु निर्देश जारी

बेमेतरा (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के पश्चात विधानसभा निर्वाचन नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को मतदान केन्द्रवार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त सूची वार्ड वार पृथक रूप से तैयार नहीं की गई है, बल्कि वर्ष 2025 की मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाताओं द्वारा दस्तावेज सहित भरे गए गणना प्रपत्र एवं सत्यापन उपरांत इसे प्रकाशित किया गया है। इसकी प्रति जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध करा दी गई है। साथ ही 22 जनवरी 2026 तक मतदान केन्द्रों में दावा-आपत्ति प्राप्त की गई है। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि यदि मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य विवरणों को लेकर किसी प्रकार की त्रुटि, दावा या आपत्ति हो तो आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रपत्र (6, 7, 8) में संबंधित **BLO/ERO/AERO** कार्यालय में अथवा ऑनलाइन पोर्टल **voters.eci.gov.in/VHA** के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त संदर्भ में प्राप्त शिकायत के परीक्षण उपरांत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला पुलिस बल गरियाबंद के ई-30 आप्स टीम की कार्यवाही

डीजीएन डिवीजन द्वारा डम्प कर रखे आटोमैटिक हथियारों को बरामद किया

गरियाबंद (समय दर्शन)। जनवरी-2026 को गरियाबंद में आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में वापस लौटे माओवादियों से गहन पूछताछ करने के पश्चात् प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के ओडिसा राज्य कमेटी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जिला गरियाबंद के थाना मैनपुर अंतर्गत ग्राम बडेगोबरा के सातमारी पहाडी में आटोमैटिक हथियारों के डम्प कर रखे जाने की जानकारी प्राप्त हुई।प्राप्त जानकारी के आधार पर डम्प के स्थानों को चिन्हित कर जिला मुख्यालय गरियाबंद से जिला पुलिस बल ई-30 की आप्स टीम 16 फरवरी को रवाना किया गया था। उल्लेखित पहाडी का

सघन सर्च करने पर पुलिस बल ई-30 टीम ने पहाडियों में माओवादियों द्वारा डम्प कर रखे गये 2 नग एसएलआर, 1 नग इंसास, 1 नग 12 बोर,3 नग एसएलआर मैग्जिन,1 नग इंसास मैग्जिन, 28 नग जिंदा एलएलआर कारतूस को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। जिला गरियाबंद पुलिस द्वारा वर्ष 2024 से संचालित नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत 26 जनवरी 2026 के पूर्व गरियाबंद क्षेत्र में सक्रिय धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के सम्पूर्ण सूचीबद्ध माओवादियों को आत्मसमर्पण/निष्क्रिय करने में सफलता प्राप्त हुई है। माओवादियों के इस डम्प की बरामदगी के साथ क्षेत्र में माओवादी हिंसा की संभावनाओं को नगण्य करने में जिला पुलिस बल एक कदम और आगे बढी है।जिला गरियाबंद अंतर्गत वर्ष 2024 से 2026 तक पुलिस मुठभेड़ में मारे गये माओवादियों की संख्या 31 आत्मसमर्पित नक्सलियों की संख्या- 29 माओवादियों से जप्त ग्रेडेड हथियार- 31, अन्य हथियार 42, माओवादियों से कुल जप्त रकम 62,50,000 माओवादियों से जप्त इलेक्ट्रिक डेटोनेटर- 304, नॉन इलेक्ट्रिक डेटोनेटर- 22, आईईडी बम- 14, कॉर्डेक्स वायर- लगभग 114.49 मीटर,बीजीएल सेल- 57 जप्त किया गया।

श्री योगवेदांत सेवा समिति द्वारा राम मंदिर प्रांगण में बच्चों ने किया मातृ पितृ पूजन

बेमेतरा (समय दर्शन)। श्री योगवेदांत सेवा समिति बेमेतरा के द्वारा राम मंदिर प्रांगण में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू की उपस्थिति में भव्य मातृ पितृ पूजन का आयोजन किया गया। साथ में पार्षद विकास तंबोली एवं पार्षद रोशन दत्ता तथा छोटे लाल साहू भी उपस्थित थे। समिति अध्यक्ष बिसराम साहू ने बताया कि विश्व विख्यात हो चुके मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम 14 फरवरी को 2006 से मनाना प्रारंभ किया। जिसके प्रेरणा स्त्रोत परम पूज्य संत श्री आशारामजी बापू है जिसे मनाने जिले भर से पहुंचे बच्चों ने अपने माता पिता का पूजन कर सत्कार किया। बाल संस्कार शिशु मंदिर बरगा एवं विवेकानंद गुरुकुल अछोली के बच्चों ने मातृ पितृ पूजन की मनमोहक सांस्कृतिक एवं देश

भक्ति का प्रस्तुति करण किया।सभी माता पिता इस भावपूर्ण छण में अपने बच्चों के साथ गदगद कंठ से अपने बचपन को याद करते हुए आनंदित हो रहे थे।सभी ने अपने अपने घरों में भारतीय संस्कृति के अनुसार मातृ पितृ पूजन मनाने का संकल्प लिया।आज माता पिता का अनादर कर उसको वृद्धा आश्रम में भेजने का प्रचलन पाश्चत्यसंस्कृति के अंधा अनुकरण के कारण भारत में बढ़ रहा है ।हमें अपने बच्चों को अपने भारतीय सनातन संस्कृति की महिमा से अवगत कराते हुए जैसे गणेश जी ने शिव पार्वती जी का, श्रवण कुमार ने अपने माता पिता का पूजन किया। उसी प्रकार बच्चों में माता पिता, संतों एवं बड़े बुजुर्गों का आदर करने का संस्कार डालना चाहिए और इसके लिए समाज के हरेक वर्ग को प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विधायक महोदय ने इस मातृ पितृ पूजन की खूब सराहना किया क्योंकि ऐसा भाव विभोर कर देने वाला दिव्य क्षण का पहली बार अनुभव किया और ऐसा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पूरे विधानसभा के लोगों को आहवान करते हुए भारतीय संस्कृति की सुवास घर घर बच्चों को पहुंचे ऐसा भाव व्यक्त किया। तथा मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम के प्रेरणा स्त्रोत परम पूज्य संत आशारामजी बापू एवं संस्था का आभार व्यक्त किया। विवेकानंद गुरुकुल अछोली के जिस बच्ची ने आज पिता तुल्य विधायक महोदय जी का पूजन किया उसे 30000रु देने की घोषणा किया और उनकी पूरे पढ़ाई की जिम्मा उठाया। विधायक जी ने ऐसे भाव भीनी मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए श्री योग वेदांत सेवा समिति को खूब खूब साधुवाद एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में समिति के बिसराम साहू, गणेश पटेल, भुवन साहू,भगवती साहू, हेमलाल साहू, नंदू भाई,यदु भाई, कान्हा भाई, अनूप यादव, भागवत भाई, ढारेन्द भाई, कुश बाल संस्कार से ओमप्रकाश, सुदर्शन भाई महिला मंडल से नीता साहू, लक्ष्मी पटेल एवं अन्य बहने उपस्थित थे।

SHRIVASTAVA & ASSOCIATES

TAX CONSULTANT & ADVOCATE

OFFICE ADDRESS-NEAR ANAAL HONDA , PLOT NO.-1, BLOCK NO.-19, FIRST FLOOR , DAKSHIN GAN-GOTRI , SUPELA , BHILAI , DISTT.-DURG (C.G.) 490023

CONTACT NO.- 9300628898, 9300545044

REF NO- 04 DATE-02/02/2026

सूचित किया जाता है कि मेसर्स पवन कंस्ट्रक्शन का नया पता-मकान नं.-327, बजरंग किराना स्टोर्स के पास ,संजय नगर, वार्ड नं.-10, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 हैं। अभी वर्तमान में इस फर्म के दो भागीदारों के नाम क्रमशः श्री पवन शर्मा और श्री मनीष शर्मा हैं।
यह संशोधन दिनांक-30/01/2026 को आपसी रजामंदी से हुआ है।

अतः यह जानकारी सूचनार्थ प्रेषित किया जा रहा है अगर किसी भी पक्षकार को कोई दावा-आपत्ति है तो 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में आकर संपर्क करें।

स्वप्निल श्रीवास्तव
अधिवक्ता
जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26